जीवन दर्शन

पूरा जीवन एक अनुभव है
आप जितने प्रयोग करते है,
उतना ही इसे बेहतर बनाते है
- राल्फ वाल्डो एमर्सन

दैनिक
ग्लोबल हेराल्ड
LOCAL TO GLOBAL

महानगर संस्करण

www.globalherald.news

सोमवार 27 अप्रैल, 2026 ■ वर्ष 15 ■ अंक 76 ■ इंदौर-भोपाल से प्रकाशित ■ पेज 8 ■ मूल्य रु 2.00

रिकू सिंह का सुपर शो... लखनऊ के खिलाफ सुपर ओवर में ...

पृष्ठ 8 पर

न्यूज ब्रीफ

ट्रंप के भविष्य को लेकर पूर्व सीजेआई ने कर दी बड़ी भविष्यवाणी

नई दिल्ली। 32वें लाल बहादुर शास्त्री स्मृति व्याख्यान में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने कहा कि हाल ही में खाड़ी युद्ध जैसी घटनाओं से साफ होता है कि होर्मुज जलडमरूमध्य में जो कुछ भी होता है, उसका प्रभाव न केवल भारत और इंडोनेशिया के ऊर्जा बाजारों पर दिख सकता है, बल्कि नवंबर में अमेरिका में होने वाले चुनावों पर भी पड़ सकता है। पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि ये इसतरह के विश्व का संकेत है जो अपनी अपेक्षाओं को कम कर रहा है, अनिश्चित परिस्थितियों में अधिक सावधानी से आगे बढ़ना सीख रहा है। टैरिफ क्या हैं? टैरिफ पूरी तरह से लेन-देन संबंधी नैतिकता पर आधारित हैं। आप रूसी तेल खरीदना बंद कर दें, और मैं आपके टैरिफ कम कर दूंगा।

प्रियंका चतुर्वेदी बोलीं... भारत को नरक कहने वालों....दिखा असली नरक

नई दिल्ली। अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर के दौरान हुई फायरिंग की घटना के बाद राजनीतिक प्रतिक्रियाओं का दौर तेज हो गया है। इस घटना पर शिवसेना (यूबीटी) नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पुराने बयान पर तीखा पलटवार किया है। प्रियंका चतुर्वेदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जिस देश ने भारत को नरक कहा था, वह खुद गन हिंसा के कारण गंभीर संकट का सामना कर रहा है। उन्होंने अमेरिका में बढ़ती गोलीबारी की घटनाओं पर चिंता जताते हुए इसे एक बड़ी समस्या बताया। उन्होंने कहा कि वॉशिंगटन में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान गोलियों की आवाज सुनाई देना बेहद चिंताजनक है।

भारत, न्यूजीलैंड एफटीए आज होगा साइन

नई दिल्ली। भारत और न्यूजीलैंड के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) आज साइन होगा। इससे दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार, निवेश और सभी क्षेत्रों में बाजार पहुंच को बढ़ावा मिलेगा। यह समझौता भारत मंडपम में केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और उनके समकक्ष टॉड मैक्ले की उपस्थिति में साइन किया जाएगा, जो दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम होगा। इसका उद्देश्य अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करके 5 अरब डॉलर तक पहुंचाना है और इससे भारतीय निर्यातकों के लिए नए अवसर खुलने की उम्मीद है, खासकर ऐसे समय में जब पश्चिम एशिया में तनाव सहित वैश्विक अनिश्चितताएं व्यापार प्रवाह को प्रभावित कर रही हैं।

वॉशिंगटन में डिनर के दौरान फायरिंग, ट्रम्प को सुरक्षित निकाला, चश्मदीद बोले- 7 राउंड फायरिंग हुई

वॉशिंगटन ■

अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में सालाना व्हाइट हाउस कॉरस्पॉन्डेंट डिनर के दौरान फायरिंग हो गई। शनिवार शाम के इस कार्यक्रम में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, पत्नी मेलानिया और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस समेत कई बडे. अफसर मौजूद थे।

न्यूज एजेंसी एपी के मुताबिक हमलावर ने होटल के बॉलरूम के बाहर फायरिंग की। ट्रम्प और गेस्ट बॉलरूम के अंदर थे। ट्रम्प ने बताया कि हमलावर को पकड़ लिया गया है। पहले खबर आई थी कि हमलावर को मार गिराया गया। हमले के करीब डेढ़ घंटे बाद ट्रम्प ने मीडिया को संबोधित किया। उन्होंने कहा- अमेरिका के संविधान पर हमला हुआ। सीक्रेट सर्विस ने मेरी जान बचाई। सुरक्षाकर्मियों ने बहादुरी से काम किया। जिस अफसर को गोली लगी, वह सुरक्षित है। उसने बुलेटप्रूफ जैकेट पहनी थी। हमलावर के पास पावरफुल गन थी।

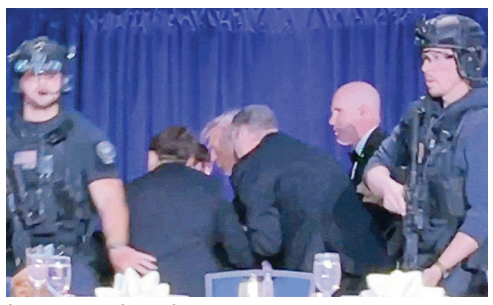

डिनर के दौरान फायरिंग करने वाला शख्स कौन

हमलावर की पहचान 31 साल के कोल टॉमस एलन के रूप में हुई है। वह अमेरिका के कैलिफोर्निया का है। पब्लिक रिकॉर्ड्स के अनुसार, एलन पार्ट-टाइम टीचर और वीडियो गेम डेवलपर था। उसकी प्रोफाइल के मुताबिक, वह दिसंबर 2024 में टीचर ऑफ द मंथ चुना गया था। उसने कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ टेकनोलॉजी से 2017 में मैकेनिकल इंजीनियरिंग में ग्रेजुएशन किया। पिछले साल कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी डोमिंगुएज हिल्स से कंप्यूटर साइंस में मास्टर्स डिग्री हासिल की थी।

चश्मदीद बोले-तेज धमाके की आवाज सुनी, मेजों के नीचे दुबके रहे

वॉशिंगटन के हिल्टन होटल के बैंक्वेट हॉल में अफरा-तफरी मच गई। मैंने सबसे पहले एक तेज आवाज सुनी। मुझे लगा कि शायद बर्तनों के गिरने की आवाज थी। लेकिन कुछ ही सेकेंड में मैंने देखा कि वेटर अपनी ट्रे लेकर अंदर भाग रहे थे और सुरक्षित जगह ढूंढ रहे थे। तभी मुझे लगा कि कुछ गड़बड़ है। टेबल पर बैठे लोग नीचे छिप गए। जब मुझे लगा कि अब उठना सुरक्षित है, तो मैंने देखा कि सुरक्षाकर्मी लंबी बंदूकें लिए मंच पर खड़े थे। अमेरिकी राष्ट्रपति को बाहर ले जाया जा चुका था।

दिल्ली-टेकऑफ के दौरान स्विस प्लेन का इंजन फेल, आग लगी, 232 लोग सवार थे

नई दिल्ली ■

दिल्ली एयरपोर्ट में टेकऑफ के दौरान स्विस प्लेन का इंजन फेल हो गया। स्विस एयरलाइंस की छ147 फ्लाइट शनिवार देर रात 1:08 बजे टेकऑफ करने वाली थी। तभी उसका एक इंजन फेल हो गया और उसमें आग लग गई। इसके बाद पायलट ने तुरंत विमान रोक दिया।

अधिकारियों ने बताया कि रनवे पर इमरजेंसी स्लाइड का इस्तेमाल करके सभी यात्रियों को बाहर निकाला गया। 6 यात्री घायल हो गए। फ्लाइट स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख जाने वाली थी। स्विस एयरलाइन ने एक बयान में कहा, हमें दिल्ली में फ्लाइट एलएक्स147 से जुड़ी घटना

के बारे में जानकारी मिली है। जिस विमान में खराबी आई, वह एयरबस ए330 है। घटना भारतीय समय के अनुसार रात 1 बजे के बाद की है। जैसे ही विमान टेकऑफ करने के लिए रनवे में आया। विमान के बाईं ओर लैंडिंग गियर से धुआं निकलता देखा गया। इसके बाद तुरंत फ्लाइट को रोक दिया गया। एयरलाइन ने कहा, हमारी स्थानीय टीमें मौके पर मौजूद हैं और यात्रियों की देखभाल कर रही हैं।

आतंकी हमले में माली के रक्षा मंत्री की मौत, बम धमाके हुए

नई दिल्ली ■

पश्चिम अफ्रीकी देश माली में लगातार जारी हमलों के चलते अव्यवस्था बढ़ रही है और अब बड़ा हमला देश के रक्षा मंत्री सादियो कैमारा पर भी हुई, जिसमें उनकी और उनके परिजनों की दर्दनाक मौत हो गई है। इस हमले में सादियों के अलाव उनकी दूसरी पत्नी और दो पोते-पोतियों की मौत हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक, रक्षा मंत्री के घर पर उन्हें बम धमाकों में निशाना बनाया गया था।

जानकारी के मुताबिक, माली में तुआरेग विद्रोहियों और अल-कायदा से जुड़े आतंकी संगठन ने देश के कई हिस्सों में एकसाथ हमला किया। इन हमलों को पिछले कई सालों में सबसे बड़ा और सबसे संगठित अटैक

बताया जा रहा है। अधिकतर हमले बामाको के आसपास और सोने की खदानों वाले क्षेत्रों में किए गए। रिपोर्ट के अनुसार, आर्तकियों ने बामाको के बाहर स्थित काटी मिलिट्री बेस पर कई धमाके किए। रक्षा मंत्री सादियो कैमारा इसी जगह पर रहते थे। ऐसे में उनके घर पर हुए हमले में उनकी मौत हो गई। गौरतलब है कि माली में शुरूआत से ही स्थिति बेहद नाजुक थी। इस साल 2020-21 में सेना ने सत्ता संभालते समय वादा किया था कि देश में सुरक्षा बहाल की जाएगी।

'मां रो रही हैं', 'माटी' घुसपैठियों के साथ, 'मानुष' डरा हुआ है', पीएम मोदी का ममता पर निशाना

कोलकाता ■

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को ममता बनर्जी सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि पहले चरण में ही इतना भारी मतदान हो गया कि टीएमसी का अहंकार टूट गया है। अब दूसरे चरण में भाजपा सरकार की प्रचंड जीत पक्की है।

बंगाल में दूसरे व अंतिम चरण का चुनाव प्रचार संपन्न होने से एक दिन पहले उत्तर 24 परगना जिले में मतुआ समुदाय के गढ़ ठाकुरनगर में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि 15 साल पहले टीएमसी मां, माटी और मानुष की बातें करके सत्ता में आई थी।

पीएम मोदी का टीएमसी पर निशाना

पीएम ने इसका कारण बताते हुए कहा कि यह टीएमसी वाले अगर मां, माटी और मानुष की याद दिलाएंगे तो इनके पाप सामने आ जाएंगे। टीएमसी की निर्ममता ने मां को रुला दिया, माटी को सिंडिकेट व घुसपैठियों के हवाले कर दिया और बंगाल के मानुष को पलायन के लिए मजबूर कर दिया। महिला अपराधों पर घेरते हुए मोदी ने कहा कि टीएमसी के महाजंगलराज की सबसे बड़ी पीड़ित हमारी बहनें, बेटियां हैं। इनके साथ सबसे बड़ा धोखा हुआ है, इसलिए इस बार सबसे अधिक

गुस्सा बहनों में ही है। संदेशखाली में बहनों के साथ गुंडे अन्याय करते रहे। टीएमसी की निर्मम सरकार गुंडों का साथ देती रही। यहां तो बहनों को ही गाली दी गई। यह कभी भूलना नहीं है। मोदी ने कहा कि टीएमसी के महाजंगलराज में यहां से बेटियां लापता हो रही हैं लेकिन राज्य सरकार सोई पड़ी है, बेटियों की इन्हें कोई चिंता नहीं है। लेकिन अब और नहीं। गुंडे, दुष्कर्मियों का चुन-चुन कर हिसाब चार मई के बाद भाजपा की सरकार करेगी।

पीएम मोदी की बंगाल के लिए बड़ी घोषणा

मोदी ने कहा कि बंगाल में भाजपा सरकार हर साल 36 हजार रुपये बहनों के खाते में जमा करेगी। आंगनबाड़ी हो, अन्य महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता हो, उनके वेतन-भत्ते को लेकर भी बंगाल भाजपा ने बड़ी घोषणा की है। बंगाल भाजपा ने बेटियों को सरकारी नौकरी में 35 प्रतिशत आरक्षण देने का फैसला किया है। बंगाल की डबल इंजन सरकार का बंगाल की बहन-बेटियों को डबल फायदा होगा। पीएम ने मतुआ शरणार्थियों को नागरिकता देने का अपना वादा भी दोहराया।

मान सरकार ने हटा ली हरभजन की जेड प्लस सुरक्षा....

चंडीगढ़। पंजाब की राजनीति में हालिया घटनाक्रम ने नया मोड़ ले लिया है, जब राज्य सरकार ने पूर्व क्रिकेटर और आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद और पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह की जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा वापस लेने का फैसला किया। यह कदम तब उठाया गया है, जब राज्य की सियासत में अंदरूनी खींचतान और संभावित बगावत की चर्चाएं तेज हैं। रविवार सुबह जालंधर स्थित उनके आवास से सुरक्षाकर्मियों को हटा लिया गया, जिससे राजनीतिक हलकों में हलचल मच गई। पंजाब की मान सरकार के फैसले के तुरंत बाद केंद्र ने हस्तक्षेप करते हुए हरभजन को सुरक्षा प्रदान कर दी।

गुजरात निकाय चुनाव में 57.8% वोटिंग, कैंडिडेट समेत 3 की मौत

अहमदाबाद। गुजरात में रविवार को स्थानीय और नगर निकाय चुनाव के लिए मतदान हुआ। शाम 6 बजे तक 57.08% मतदान दर्ज किया गया है। इसमें से 15 नगर निगमों में 49%, 84 नगर निगमों में 58.12%, 34 जिला पंचायतों में 60.21% और 260 तालुका पंचायतों में 61% मतदान दर्ज किया गया। मतगणना 28 अप्रैल को होगी। 15 नगर निगमों जिनमें अहमदाबाद, सूरत, वडोदरा और राजकोट शामिल हैं के साथ 84 नगरपालिकाओं, 34 जिला पंचायतों और 260 तालुका पंचायतों में कुल 9,992 स्थानीय प्रतिनिधि मैदान में हैं।

दो दिन में दूसरा पाकिस्तान दौरा, ईरान के विदेश मंत्री फिर से पहुंचे इस्लामाबाद

इस्लामाबाद ■

ईरान की कूटनीति इन दिनों काफी सक्रिय नजर आ रही है। इसी सिलसिले में ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची एक बार फिर पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद पहुंच गए हैं। खास बात ये है कि यह उनका महज दो दिनों के भीतर दूसरा दौरा है, जिससे साफ संकेत मिलता है कि क्षेत्रीय हालात को लेकर तेजी से बातचीत चल रही है।

इस बार के दौरे में अराघची की मुलाकात पाकिस्तान के कई बड़े नेताओं से होने की उम्मीद है। इससे पहले शनिवार को उन्होंने

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख आसिम मुनीर से बातचीत की थी। उस बैठक में ईरान ने अपनी शर्तें साफ तौर पर रखीं और साथ ही अमेरिका की कुछ मांगों पर अपनी आपत्तियां भी जाहिर कीं। दरअसल, ईरान ने एक अहम रुख अपनाया है। वह सीधे तौर पर अमेरिका से बातचीत नहीं करना चाहता। इसके बजाय वह पाकिस्तान को एक माध्यम के रूप में इस्तेमाल कर रहा है। यानी संदेश भी वहीं से जाएगा और बातचीत की दिशा भी काफी हद तक उसी पर निर्भर करेगी। दिलचस्प बात ये रही कि इस्लामाबाद में बातचीत के बाद अराघची सीधे मस्कट पहुंच गए थे। ओमान पहले भी कई बार मध्यस्थ की भूमिका निभा चुका है, खासकर ईरान और अमेरिका के बीच। वहां उन्होंने ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक से मुलाकात की। बातचीत का फोकस साफ था। तनाव कम कैसे हो और किसी संभावित टकराव को रोका कैसे जाए।

काश पटेल पर गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार के आरोप

वॉशिंगटन। एफबीआई चीफ के तौर पर काश पटेल का सफर जितना तेजी से ऊपर चढ़ा, उनके निजी शौक और विवादों ने उतनी ही तेजी से उन्हें चर्चा के केंद्र में ला दिया है। अब उन पर शराब के सेवन और गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार के गंभीर आरोप लग रहे हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की नाराजगी की खबरों के बीच उन्हें प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इन दावों पर सफाई देनी पड़ी है। हालांकि वॉशिंगटन के राजनीतिक गलियारों में काश पटेल की पहचान एक ऐसे अधिकारी की है जो नियमों और प्रोटोकॉल की परवाह किए बिना अपनी धुन में रहना पसंद करता है। पटेल की जीवनशैली में रंगीन मिजाजी और विचित्र शौक हमेशा से शामिल रहे हैं।

मोदी ने मन की बात को बिठा दिया है देशवासियों के मन में

भोपाल ■

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 133वें संस्करण का भोपाल के वीआईपी रोड स्थित एक निजी रेस्टोरेंट में जनप्रतिनिधियों के साथ श्रवण किया।

इस अवसर पर आमजन भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मन की बात देश के करोड़ों नागरिकों को जोड़ने वाला एक सशक्त संवाद मंच है। इसके जरिए प्रधानमंत्री श्री मोदी समाज के विभिन्न वर्गों की प्रेरक कहानियों, नवाचारों और सकारात्मक प्रयासों को सामने लाते हैं, जिससे आमजन को नई दिशा और प्रेरणा मिलती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव

ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मन की बात कर कार्यक्रम को पूरे देशवासियों के मन में बिठा दिया है। उन्होंने देश को नवाचार की नई दृष्टि दी है। ऐसे कार्यक्रम समाज में सकारात्मक सोच को बढ़ावा देते हैं और राष्ट्र निर्माण में जनभागीदारी को सशक्त करते हैं। 'मन की बात' में प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देशवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि इन दिनों हमारे देश में एक बहुत ही अहम अभियान चल रहा है, जिसके बारे में हर भारतीय को जानकारी होनी जरूरी है।

व्यंग्य : बंगाल में राहुल गांधी के अजब बोल : क्या होगा हश्र ..?

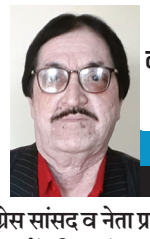

ग्लोबल हेराल्ड
न्यूज एनालिसिस
GHNA
दिलीप शर्मा
(वरिष्ठ पत्रकार)

कांग्रेस सांसद व नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी 2021 में पश्चिम बंगाल में कांग्रेस द्वारा एक भी सीट नहीं जीतने का हश्र देख चुके हैं, इसके बावजूद वे बंगाल में अपने चुनावी भाषण में गलत बयानी कर रहे हैं. प्रधानमंत्री मोदी देश बेच रहे तो ममता बनर्जी भी ऐसा ही कर रहीं. अब कौन समझाए कि एक राज्य की मुख्यमंत्री कैसे देश बेच रही..? राहुल गांधी को ममता की गरीब महिलाओं की कल्याणकारी योजना का भी ज्ञान नहीं, उन्होंने कह दिया कि ममता सिर्फ अमीरों की मदद कर रही, जैसा कि मोदी भी कर रहे..अब ऐसे बयान से कैसे सीटें बढ़ेगी या फिर जीरो..?

मोदी व ममता राहुल गांधी को लगे एक जैसे : बंगाल में कांग्रेस क्या फिर बेहाल..?

पश्चिम बंगाल में 23 अप्रैल को हुई पहले चरण की बम्पर वोटिंग के बाद अब 29 अप्रैल को दूसरे चरण की वोटिंग होना है. कांग्रेस के स्टार प्रचारक राहुल गांधी चुनावी सभा कर रहे हैं. उल्लेखनीय है कि 2021 के पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस एक भी सीट नहीं जीत सकी थी. 2016 में जरूर 44 सीट जीत ली थी, लेकिन 2026 के इस बार के चुनाव में क्या हाल होगा, यह तो 4 मई को परिणाम आने पर पता चलेगा, लेकिन कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की गलत बयानी से लगता नहीं कि स्थिति सुधरे..? प्रधानमंत्री मोदी पर अक्सर देश बेचने व अमीरों की मदद के आरोप लगाते हुए राहुल गांधी को अब पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी देश बेचती व अमीरों की मदद करती लगी. एक राज्य की मुख्यमंत्री देश कैसे बेच सकती यह तो वही जानें..? ममता बनर्जी गरीब महिलाओं के खाते में पैसे डालती हैं एवं और भी कल्याणकारी योजनाओं के कारण वे तीन बार जीती हैं, हालांकि इस बार बीजेपी कड़ी

टक्कर दे रही है, वर्षों पुरानी पार्टी कांग्रेस से तो बेहतर बीजेपी रही है जो ममता के गढ़ में पिछले चुनाव में 77 सीट जीतकर मुख्य विपक्षी पार्टी बन गई थी. इस बार पहले चरण में बीजेपी के अमित शाह का यह दावा कि 110 सीट जीतेंगे, सच या करीब भी पहुंचता है तो भी बड़ी उपलब्धि होगी. वैसे भी मोदी, शाह व अन्य स्टार प्रचारक ममता को जंगलराज एवं घुसपैठियों पर घेर रहे हैं. सुप्रीम कोर्ट भी फटकार लगा चुका है और चुनाव आयुक्त के विरुद्ध भी हार चुकी ममता के लिए राह आसान नहीं है. मुस्लिम वोट भी कटेंगे.वैसे राहुल गांधी ने कांग्रेस कार्यकर्त्ता की हत्या पर ममता के गुंडा राज पर घेरा भी है फिर भी इस बार कांग्रेस की स्थिति विशेष सुधरे,ऐसी उम्मीद राहुल गांधी के बयानों से नहीं की जा सकती. विरोध करना है, लेकिन तर्कसंगत होना चाहिए. अब मोदी और ममता धुर विरोधी हैं, मोदी लगातार ममता के कुशासन की आलोचना कर रहे हैं,जबकि राहुल गांधी कह रहे, दोनों मिले हुए हैं, क्या ऐसा बयान बेतुका नहीं लगता..?

तस्वीरों का जादूगर चला गया, नहीं रहे रघु राय, कैमरे में कैद इतिहास अब भी जिंदा

नई दिल्ली ■

रोशनी और साए के बीच सच को पहचानने वाली नजर अब हमेशा के लिए बंद हो गई है। भारत के सबसे प्रसिद्ध और प्रभावशाली फोटो जर्नलिस्ट रघु राय नहीं रहे। उन्होंने कैमरे से सिर्फ तस्वीरें नहीं लीं, बल्कि वक्त को रोककर उसे इतिहास में हमेशा के लिए अमर कर दिया। उनकी हर फ्रेम एक कहानी नहीं, एक युग है, जो अब भी बोलता है, झकझोरता है और हमें याद दिलाता है कि तस्वीरें सिर्फ देखी नहीं, महसूस भी की जाती हैं।

रघु राय की सबसे मार्मिक तस्वीरों में से एक, भोपाल गैस त्रासदी के दौरान खींची गई 'एक अज्ञात बच्चे का अंतिम संस्कार' टाइटल वाली तस्वीर आज भी दुनिया को झकझोर देती है। एक पिता की गोद में मृत बच्चे की यह ब्लैक एंड वाइट तस्वीर न सिर्फ उस त्रासदी का प्रतीक बनी, बल्कि फोटो जर्नलिज्म की ताकत को भी परिभाषित करती है।

5 दशकों तक गढ़ी भारत की भव्य स्मृति

रघु राय ने अपने पांच दशक लंबे करियर में बांग्लादेश युद्ध से लेकर भारत की सड़कों के आम जीवन तक हर पहलू को कैमरे में कैद किया। इंदिरा गांधी और मदर टेरेसा जैसे व्यक्तित्वों के उनके पोर्ट्रेट आज भी ऐतिहासिक दस्तावेज माने जाते हैं। टीओआई को दिए एक पुराने इंटरव्यू में राय का मानना था कि तस्वीरें इतिहास को स्थायी बना देती हैं। उन्होंने कहा था, 'इतिहास हमेशा लिखा जाता है और उसे दोबारा भी लिखा जाता है। लेकिन फोटो इतिहास को बदला नहीं जा सकता।' उनके लिए फोटोग्राफी केवल कला नहीं, बल्कि समाज को आईना दिखाने का माध्यम थी।

43 डिग्री की गर्मी में 90 मिनट का इंतजार, जूते-मोजे उतरवाए और पर्स भी रखवाए, त्रिस्तरीय सुरक्षा जांच प्रक्रिया से गुजरे अभ्यर्थी

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) द्वारा आयोजित राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2026 आज इंदौर सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। इंदौर शहर में इस महत्वपूर्ण परीक्षा के संचालन के लिए कुल 46 परीक्षा केंद्र स्थापित किए गए थे। इन केंद्रों में होलकर साइंस कॉलेज, प्रधानमंत्री एक्सीलेंस कॉलेज, एसजीएसआईटीएस कॉलेज और मालव कन्या स्कूल जैसे शहर के प्रमुख शैक्षणिक संस्थान शामिल रहे। प्रशासन ने परीक्षा की शुचिता बनाए रखने और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा के व्यापक और सख्त प्रबंध किए थे।

एमपीपीएससी के कड़े निर्देशों का पालन करते हुए इंदौर के सभी 46 केंद्रों पर त्रिस्तरीय सुरक्षा जांच की व्यवस्था की गई थी। परीक्षा कक्ष में प्रवेश से पूर्व प्रत्येक अभ्यर्थी का बायोमैट्रिक प्रमाणीकरण किया गया और उनके प्रवेश पत्र की गहन स्कैनिंग की गई। तकनीकी माध्यमों से होने वाली नकल की संभावनाओं को समाप्त करने के लिए इस बार भी जूते-मोजे पहनकर प्रवेश देने पर पूरी तरह पाबंदी रही। इस नियम के कारण अधिकांश परीक्षार्थी चप्पल या सैंडल पहनकर परीक्षा देने पहुंचे। इसके अतिरिक्त घड़ी, बेल्ट, बटुआ और चश्मा जैसी वस्तुओं को भी केंद्र के मुख्य द्वार पर ही जमा करा लिया गया।

भीषण गर्मी के बीच लगे समय ने बढ़ाई परीक्षार्थियों की मुश्किल

इंदौर में अप्रैल के महीने में पड़ रही प्रचंड गर्मी ने अभ्यर्थियों की चुनौती को और बढ़ा दिया। आयोग के नियमों के मुताबिक परीक्षा शुरू होने के निर्धारित समय से डेढ़ घंटा पहले केंद्र पर पहुंचना अनिवार्य था। इस नियम के चलते सुबह साढ़े आठ बजे से ही परीक्षा केंद्रों के बाहर अभ्यर्थियों की लंबी लाइनें दिखाई देने लगीं। तेज धूप और तपिश को देखते हुए प्रशासन ने परीक्षा केंद्रों के भीतर पीने के पानी की उचित व्यवस्था की थी, हालांकि अभ्यर्थियों को केवल पारदर्शी बोतलों के साथ ही पानी अंदर ले जाने की अनुमति दी गई।

चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था रही- इंदौर के हर परीक्षा केंद्र पर कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए दो महिला और दो पुरुष पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की गई थी। पुलिस प्रशासन के साथ-साथ केंद्र प्रभारियों और पर्यवेक्षकों को भी विशेष हिदायत दी गई थी कि वे पूरी परीक्षा अवधि के दौरान सतर्क रहें। किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि या अनुशासनहीनता पाए जाने पर तत्काल कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए थे ताकि परीक्षा प्रक्रिया बिना किसी बाधा के पूरी हो सके।

महिला अभ्यर्थियों की जांच के लिए विशेष संवेदनशीलता दिखी

परीक्षा के दौरान महिला अभ्यर्थियों की जांच के लिए विशेष प्रोटोकॉल का पालन किया गया। सुरक्षा और तलाशी के कार्य के लिए महिला वीक्षकों को तैनात किया गया था ताकि मानवीय गरिमा और संवेदनशीलता बनी रहे। जांच के दौरान दुपट्टों और आभूषणों की सूक्ष्मता से पड़ताल की गई और प्रक्रिया पूरी होते ही उन्हें वापस कर दिया गया। सुरक्षा नियमों के कारण कई अभ्यर्थी अपनी कीमती वस्तुएं और वर्जित सामग्री केंद्र के बाहर खड़े अपने परिजनों या मित्रों को सौंपते हुए दिखाई दिए।

इंदौर के वार्ड 80 में नगर निगम की बड़ी लापरवाही सामने भ्रष्टाचार की सारी हदें पार

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर नगर निगम में अब भ्रष्टाचार की सीमा पार हो चुकी है। ऐसे में वार्ड क्रमांक 80 में भ्रष्टाचार की कई तस्वीरें सामने आ रही है। लगभग दो महीने पूर्व गंदे पानी की समस्या को लेकर पाराशर नगर रहवासियों और पार्षद के बीच गंभीर विवाद हुआ था, जिसमें पार्षद की दबंगई का वीडियो भी आम जनता ने देखा था।

दुर्भाग्यवश, स्थिति आज भी जस की तस बनी हुई है। पाराशर नगर में हाल ही में डाली गई ड्रेनेज लाइन फिर से क्षतिग्रस्त हो चुकी है। इस कार्य में अत्यंत घटिया गुणवत्ता के प्लास्टिक पाइपों का उपयोग किया गया, जो दो महीने तक भी टिक नहीं पाए। जबकि उसी समय स्थानीय निवासियों द्वारा स्पष्ट रूप से सुझाव दिया गया था कि प्लास्टिक पाइप के स्थान पर मजबूत सीमेंट पाइप लगाए जाएं, ताकि भविष्य में ऐसी समस्याओं से बचा जा सके। पार्षद की लापरवाही और हठधर्मिता के कारण इस महत्वपूर्ण सुझाव को नजरअंदाज कर दिया गया। परिणामस्वरूप, आज फिर पाराशर नगर में ड्रेनेज का दूषित पानी नर्मदा जल में मिल जाने की गंभीर आशंका उत्पन्न हो गई है, जो जनस्वास्थ्य के लिए अत्यंत खतरनाक साबित हो सकती है। इस बड़ी परेशानी पर नगर निगम बिल्कुल भी ध्यान नहीं दे रही है।

सिंहस्थ-2028 के कार्यों की चरणबद्ध और समयबद्ध मॉनिटरिंग करें : एमडी तिवारी

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) के प्रबंध संचालक सुनील तिवारी ने कंपनी की समीक्षा बैठक में सिंहस्थ-2028 से संबंधित विभिन्न कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने उज्जैन क्षेत्र के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्य पी.ई.आर.टी चार्ट के अनुसार चरणबद्ध एवं समयबद्ध ढंग से मॉनिटर किए जाएं।

उन्होंने कहा कि सिंहस्थ-2028 जैसा विशाल आयोजन प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है, इसलिए इसकी तैयारियों में समयबद्धता और विभागों के बीच बेहतर समन्वय अत्यंत आवश्यक है। प्रत्येक कार्य की चरणबद्ध प्रगति, निर्धारित समय-सीमा तथा उत्तरदायित्वों का स्पष्ट निर्धारण किया जाए, ताकि सभी कार्य आयोजन से एक वर्ष पूर्व पूर्ण किए जा सकें। प्रबंध संचालक सुनील तिवारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी परियोजनाओं की नियमित समीक्षा की जाए तथा संभावित बाधाओं की पूर्व पहचान कर समय रहते उनका समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कार्यों में गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों के कड़ाई से पालन पर भी विशेष जोर दिया। बैठक में अधिकारियों द्वारा विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति की जानकारी प्रस्तुत की गई,

इंदौर में पुलिस का बड़ा अभियानः 330 बदमाशों पर कार्रवाई, 153 शराबी वाहन चालक पकड़े गए

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

शहर में अपराध और असामाजिक तत्वों पर शिकंजा कसने के लिए इंदौर पुलिस कमिश्नरेट ने 25-26 अप्रैल 2026 की रात को व्यापक स्तर पर सघन चेकिंग और पेट्रोलिंग अभियान चलाया। पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के निर्देश और एडिशनल कमिश्नर (क्राइम) आर.के. सिंह के मार्गदर्शन में चारों जोन के डीसीपी के नेतृत्व में यह कार्रवाई देर रात तक जारी रही। अभियान के दौरान पुलिस बल ने सभी थाना क्षेत्रों में उतरकर गुंडे-बदमाशों, संदिग्धों और अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों की धरपकड़ की।

इस विशेष अभियान में पुलिस ने कुल 330 बदमाशों और असामाजिक तत्वों पर वैधानिक कार्रवाई की। साथ ही विभिन्न मामलों में 124 से अधिक वारंट तामील किए गए, जिनमें 18 स्थायी, 30 गिरफ्तारी

और 76 जमानती वारंट शामिल हैं। पुलिस की इस कार्रवाई से लंबे समय से फरार चल रहे कई आरोपी भी पकड़ में आए। शहर में शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ भी सख्त रुख अपनाया गया। पुलिस ने 153 वाहन चालकों को पकड़कर मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 185 के तहत कार्रवाई की और उनके वाहन जब्त किए। अधिकारियों का कहना है कि यह अभियान सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लगातार जारी रहेगा, ताकि लापरवाही से वाहन चलाने वालों पर अंकुश लगाया जा सके। इसी दौरान अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए भंवरकुआं थाना पुलिस ने सुनील सोलंकी (30) निवासी सुदर्शन नगर को 2.916 किलोग्राम गांजा के साथ गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। वहीं, अवैध शराब के कारोबार पर भी पुलिस ने शिकंजा कसते हुए कनाड़िया और द्वारकापुरी थाना क्षेत्रों से कुल 54 क्वार्टर देशी शराब जब्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। अभियान के दौरान सार्वजनिक स्थानों पर नशा करने वालों को भी नहीं बख्शा गया। पुलिस ने खुलेआम शराब पीने वाले 6 लोगों और गांजा सेवन करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ कार्रवाई की। इसके अलावा आदतन अपराधियों पर नजर रखते हुए 43 बदमाशों के खिलाफ बीएनएसएस की विभिन्न धाराओं के तहत प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई। पुलिस ने हॉटस्पॉट और शैडो एरिया में ड्रोन के माध्यम से निगरानी रखी, जबकि संवेदनशील क्षेत्रों में अधिकारियों ने खुद पैदल गश्त कर हालात का जायजा लिया। इस दौरान संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखते हुए कई अपराधियों को हिरासत में लिया गया। पकड़े गए बदमाशों को भविष्य में अपराध न करने की सख्त हिदायत दी गई और उनके डोजियर भी भरवाए गए। इंदौर पुलिस ने स्पष्ट किया है कि शहर में कानून व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए इस तरह के सघन अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे।

इंदौर में ढाई साल की बच्ची की मौत, खेलते-खेलते पहली मंजिल से गिरी

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर में घरों की बनावट के समय बरती गई लापरवाही मासूमों की मौत की वजह बन रही है। छह माह में शहर में पाँच बच्चों की गैलरी के बीच छोड़ी गई गैप से गिरने के कारण मौत हो गई। द्वारकापुरी में भी इस तरह की घटना हो गई। ढाई साल की बच्ची पहली मंजिल की गैलरी से गिर गई। मासूम बच्ची मुस्कान दशोरे अपने दादा-दादी के यहाँ आई थी और खेलते-खेलते वह गैलरी में चली गई। परिवार के लोग बातें करने में मशगूल थे और मुस्कान गैलरी से गिर पड़ी। वह इकलौती संतान थी।

मुस्कान के पिता नरेंद्र पीथमपुर की कंपनी में काम करते हैं। वे दो दिन के लिए अपने माता-पिता से मिलने बेटी और पत्नी को लेकर आए थे। मुस्कान गैलरी की तरफ जाकर खेलने लगी और फिर वह रेलिंग के बीच से झाँकने लगी। इस दौरान उसका

संतुलन बिगड़ा और वह पहली मंजिल से सिर के बल जमीन पर जा गिरी। लोगों ने उसे गिरते हुए देखा तो परिजनों को जानकारी दी। पिता नरेंद्र मुस्कान को निजी अस्पताल ले गए, लेकिन सिर पर गंभीर चोट के कारण उसे भर्ती नहीं किया गया और दूसरे अस्पताल में भेज दिया गया। अस्पताल ले जाते समय मुस्कान ने दम तोड़ दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुँची और परिजनों के बयान लिए। इसके बाद पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है। पुलिस इसे हादसा मानकर जांच कर रही है।

सिलावट ने सांवेर विधानसभा की स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर समीक्षा बैठक ली

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने आज सांवेर विधानसभा की स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर रेसीडेंसी कोठी पर समीक्षा बैठक ली। बैठक में मंत्री सिलावट ने सांवेर विधानसभा के अंतर्गत चल रहे विभिन्न अस्पतालों द्वारा दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की।

सिलावट ने उज्जैन में आयोजित सिंहस्थ-2028 को दृष्टिगत रखते हुए सांवेर ब्लाक में प्रस्तावित नये कार्यों की सूची और योजनाओं पर चर्चा की। बैठक में मंत्री सिलावट ने कहा कि प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने निर्देशन में स्वास्थ्य सेवाओं में विस्तार किये

जा रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सांवेर विधानसभा के अंतर्गत आने वाले अस्पतालों में नागरिकों को बेहतर से बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान की जाये। प्रधानमंत्री आयुष्मान स्वास्थ्य योजना और आयुष योजनाओं का सभी को लाभ मिलें, यह भी सुनिश्चित किया जाये। सांवेर विधानसभा के अंतर्गत मांगलिया, क्षिप्रा, चन्द्रावतीगंज, पालिया, कुड़ाना, डकाच्या, सांवेर आदि के सभी अस्पतालों में चिकित्सक, पैरामेडिकल स्टाफ, नर्सेस, एएनएम आदि अपना काम ईमानदारी, गुणवत्ता और सेवाभाव से करें। सभी अस्पतालों में मरीजों के लिये पर्याप्त मात्रा में दवाईयां, इंजेक्शन आदि की व्यवस्था सुनिश्चित की जाये। अस्पताल में फर्निचर, शुद्ध पेयजल, साफ-सफाई, शौचालय आदि सभी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध रहे।

इंदौर जिले में किसानों के लिए संवेदनशील पहल

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के निदेर्शानुसार किसानों से समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी का कार्य निरंतर जारी है। मुख्यमंत्री डॉ यादव द्वारा किसानों के हित में लगातार अनेक निर्णय लिए जा रहे हैं। इंदौर जिले में किसानों की सुविधा और जरूरतों को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर श्री शिवम वर्मा द्वारा एक सराहनीय और संवेदनशील पहल की गई है। इस पहल के तहत अब विशेष परिस्थितियों वाले किसानों को गेहूं उपज विक्रय में प्राथमिकता दी जाएगी। जिन किसानों के घर में आगामी दिनों में शादी है, वे अपनी शादी की पत्रिका दिखाकर खरीदी केंद्र पर तत्काल स्लॉट बुकिंग करा सकेंगे।

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। गर्मी के दिनों में पक्षियों को पानी की अति आवश्यकता होती हैं ,इस लिए अपने घर, छत, बगीचे में पक्षियों को पानी पीने के लिए मिट्टी के सकोरे रखना चाहिए इस बात को ध्यान में रखते हुए, अभ्यास मंडल के कार्यक्रम में श्री नंदलाल मोगरा जी के सौजन्य से सकोरो का विवरण उपस्थित सभी सुधीजन को किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रख्यात फोटो जर्नलिस्ट श्री रघुराय के निधन पर दुख व्यक्त किया

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रख्यात फोटो जर्नलिस्ट श्री रघु राय के निधन पर दुख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि श्री रघु राय द्वारा खींची गई तस्वीरें संप्रेषण का महत्वपूर्ण माध्यम बनी। वे मध्यप्रदेश से गहरे जुड़े रहे। फोटो पत्रकारिता को उन्होंने नई ऊंचाइयां दी। उन्होंने अनेक ऐतिहासिक अवसरों को अपने कैमरे से कैद किया। फोटो पत्रकारिता के क्षेत्र में उनका योगदान याद रखा जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्व. रघु राय की आत्मा की शांति के लिए बाबा महाकाल से प्रार्थना की है।

मंत्री सिलावट ने नागालैंड के राज्यपाल से की सौजन्य भेंट

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

नागालैंड राज्य के राज्यपाल श्री नंद किशोर यादव के इंदौर प्रवास के दौरान प्रदेश के जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने आज रेसीडेंसी कोठी में उनसे सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर मंत्री श्री सिलावट ने राज्यपाल श्री यादव का पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। भेंट के दौरान विभिन्न समसामयिक विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। मंत्री श्री सिलावट ने राज्यपाल श्री यादव को इंदौर एवं मध्यप्रदेश में हो रहे विकास कार्यों, विशेषकर जल संसाधन प्रबंधन, सिंचाई परियोजनाओं एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने प्रदेश में

जल संरक्षण एवं संवर्धन के लिए किए जा रहे प्रयासों का भी विस्तृत उल्लेख किया। मंत्री श्री सिलावट ने राज्यपाल श्री यादव के अनुभवों एवं मार्गदर्शन को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि ऐसे अवसरों पर विचारों का आदान-प्रदान प्रदेश के समग्र विकास में सहायक सिद्ध होता है।

करियर को दिशा देने वाले 10 महत्वपूर्ण निर्णय !!!

फिर भी जिंदगी हसीन है...
dreamsachieverspune@gmail.com

दोस्तों, आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में करियर बनाने का अर्थ केवल एक अच्छी नौकरी पाना नहीं है। मेरी नजर में तो यह जीवन की दिशा तय करने वाला एक महत्वपूर्ण निर्णय है। इसी वजह से अक्सर लोग बड़े अवसरों की तलाश में रहते हैं और कई बार तो बहुत सोच-समझ कर बड़े फैसले लेते हैं। लेकिन इस विषय में मेरा मानना थोड़ा अलग है, मेरे हिसाब से बड़े फैसलों या मौकों से ज़्यादा, छोटे-छोटे निर्णय हमारे भविष्य को बनाते या बिगाड़ते हैं। जी हाँ दोस्तों, यदि सही समय पर सही सोच के साथ निर्णय लिए जाएं, तो करियर न केवल सफल बल्कि संतुलित और संतोषजनक भी बन सकता है। आइए, आज हम समय की कसौटी पर परखे हुए ऐसे ही दस महत्वपूर्ण निर्णयों को समझते हैं जिन्हें लेकर साधारण लोगों ने असाधारण करियर बनाया है-

निर्मल भटनागर (एजुकेशनल कंसलटेंट एवं मोटिवेशनल स्पीकर)

ग्लोबल हेराल्ड

पहला - ठहराव से बचना: करियर के विषय में सबसे महत्वपूर्ण यह समझना है कि कब आगे बढ़ना है। यदि किसी भूमिका में आपकी सीखने की गति रुक गई है और आप केवल आरामदायक स्थिति में हैं, तो यह संकेत है कि जीवन में अब बदलाव की आवश्यकता है। याद रखियेगा, ठहराव अक्सर प्रगति का सबसे बड़ा शत्रु होता है।

दूसरा - बड़ी और लंबी अवधि की सोच विकसित करना: तात्कालिक लाभ आकर्षक लग सकते हैं, लेकिन वास्तविक सफलता उन निर्णयों से आती है जो आपके भविष्य में आपके मूल्य को बढ़ाते हैं। कौशल विकसित करना और अनुभव जुटाना हमेशा अल्पकालिक लाभ से अधिक महत्वपूर्ण होता है।

तीसरा - पद के स्थान पर कार्य और वातावरण को प्राथमिकता देना: बड़ा पद यदि आपके विकास को सीमित कर रहा है, तो यकीन मानियेगा वो लंबे समय में आपके लिए उतना मूल्यवान नहीं है, जितना एक ऐसा वातावरण, जहां आप सीख और बढ़ सकें।

चौथा - अपना वास्तविक मूल्य बढ़ाने की प्रक्रिया को समझें: केवल अपने कार्य तक सीमित रहने के बजाय यह समझना जरूरी है कि आपका योगदान संगठन के विकास, लाभ और ग्राहकों पर कैसे प्रभाव डालता है क्योंकि यही बातें लंबे समय में आपका मूल्य बढ़ाती हैं।

पांचवां - वेतन से अधिक सीखने और विकास को महत्व देना : करियर के शुरुआती दौर में कम आमदनी भी आपके लिए अधिक लाभदायक हो सकती है अगर आपको वहाँ अपने कौशल को बेहतर बनाने का मौका और अच्छा अनुभव मिल रहा है। याद रखियेगा, व्यक्तित्व विकास और कौशल सीखने के लिए किया गया आपका यह निवेश, आपको भविष्य में कई गुना लाभ देगा।

छठा - पूरी तरह तैयार होकर सही समय का इंतजार न करना: अक्सर लोग पूरी तैयारी के साथ सही समय का इंतजार करते रहते हैं, जबकि सच्चाई यह है कि आत्मविश्वास कार्य करने से आता है, न कि पहले से तैयारी करने से। जब आप कदम बढ़ाते हैं, तब ही आप सीखते हैं और आगे बढ़ते हैं।

सातवां - अपनी ऊर्जा को सही दिशा में लगाना: केवल अधिक घंटे काम करना ही सफलता की कुंजी नहीं है। सही समय पर, सही काम पर ध्यान देना और अपनी ऊर्जा का संतुलित उपयोग करना अधिक प्रभावी होता है।

आठवां - अच्छे लीडर के साथ काम करना: एक अच्छा और सच्चा लीडर न केवल मार्गदर्शन देता है, बल्कि आपको बेहतर करियर बनाने में याने प्रोफ़ेशनल लाइफ में आगे बढ़ने में मदद करता है; आपके विकास के अवसर बढ़ाता है। याद रखियेगा, सही मार्गदर्शक आपके करियर की गति को कई गुना बढ़ा सकता है।

नौवां - अपने ज्ञान को साझा करना: जब आप दूसरों को सिखाते हैं, तो आपकी अपनी समझ और मजबूत होती है। यह आदत आपको एक विशेषज्ञ के रूप में स्थापित करती है।

दसवाँ - अपने करियर की कहानी खुद लिखना: मेरी नजर में उपरोक्त सभी निर्णयों में सबसे महत्वपूर्ण बात यह स्वीकारना है कि आप खुद ही अपने भविष्य के निर्माता है। यदि आप अपनी दिशा तय नहीं करते, तो परिस्थितियाँ या अन्य लोग आपके लिए निर्णय ले सकते हैं। इसलिए अपने लक्ष्य, पहचान और मूल्य को स्पष्ट रखना आवश्यक है।

अंत में इतना ही कहूँगा कि करियर में सफलता किसी एक बड़े अवसर का परिणाम नहीं होती, बल्कि निरंतर लिए गए छोटे और समझदारी भरे निर्णयों का परिणाम होती है। जब आप जागरूकता और दूरदर्शिता के साथ निर्णय लेते हैं, तो आप केवल एक सफल प्रोफेशनल ही नहीं, बल्कि एक संतुलित और संतुष्ट इंसान भी बनते हैं।

दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

सोमवार 27 अप्रैल, 2026

राष्ट्रीय लोक अदालत 9 को

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ में 9 मई 2026 (शनिवार) को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के निर्देशानुसार किया जा रहा है। प्रशासनिक न्यायाधीश श्री विजय कुमार शुक्ला के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय इंदौर खंडपीठ में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा, जिसमें लंबित प्रकरणों का आपसी सहमति एवं समझौते के आधार पर त्वरित निराकरण किया जाएगा।

इंदौर में पारा 43 डिग्री पर पहुंचा, शाम को हुई हल्की बारिश ने दी कुछ राहत, रविवार को तापमान में आया उछाल

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर में भीषण गर्मी पड़ रही है। रविवार को पारा 43 डिग्री तक पहुंच गया हालांकि शाम को हुई बूंदाबांदी ने थोड़ी राहत दी। सुबह से ही सूरज के तल्ख तेवरों ने शहरवासियों को बेहाल कर दिया था लेकिन शाम होते-होते मौसम के मिजाज में बदलाव देखने को मिला। आसमान में बादलों की आवाजाही शुरू हुई और शहर के कुछ हिस्सों में बूंदाबांदी के साथ हल्की बारिश हुई, जिससे तपती गर्मी से जूझ रहे लोगों को मामूली सुकून मिला।

मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार रविवार को दिन के तापमान में एक डिग्री सेल्सियस का उछाल आया। अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य औसत से 2 डिग्री अधिक है। दिनभर की तपिश के बाद रात के तापमान में भी बढ़ोतरी की आशंका जताई गई है, जिसके 28 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है।

शनिवार ने तोड़े थे गर्मी के रिकॉर्ड

इससे पहले शनिवार का दिन इस सीजन का सबसे गर्म दिन साबित हुआ था। पिछले 24 घंटों के दौरान अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस के स्तर को पार कर गया। तापमान में लगातार हो रही वृद्धि के कारण रात का पारा भी 6 डिग्री की छलांग लगाकर 28 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच गया। भीषण गर्मी का प्रभाव पूरे शहर में स्पष्ट रूप से दिखाई दिया, जहां दोपहर के समय पंखों की हवा भी बेअसर साबित हो रही थी।

जनजीवन पर गर्मी का व्यापक असर पड़ रहा

कड़कती धूप और लू के कारण सड़कों पर आवाजाही काफी कम रही। लोग केवल अनिवार्य कार्यों के लिए ही घरों से बाहर निकलते नजर आए। प्रमुख चौराहों पर वाहन चालक रेड सिग्नल के दौरान धूप से बचने के लिए आसपास की छांव तलाशते दिखे। रात के समय भी गर्म हवाओं का सिलसिला जारी रहने से लोगों की नींद प्रभावित हुई और पूरे 24 घंटे गर्मी का प्रकोप बना रहा। शनिवार को न्यूनतम तापमान सामान्य से 5 डिग्री अधिक यानी 28.6 डिग्री सेल्सियस रहा।

और उछल सकता है तापमान

आने वाले दिनों को लेकर मौसम वैज्ञानिकों ने चेतावनी जारी की है। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले समय में पारा और अधिक ऊपर जा सकता है। संभावना जताई जा रही है कि अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस के आंकड़े को भी पार कर सकता है, जिससे आने वाले हफ्तों में गर्मी की तीव्रता और अधिक बढ़ने के आसार हैं।

बच्ची को बचाने हाथ जोड़ते रहे बेबस माता-पिता, डंडा लेकर धमकाता रहा गुंडा

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर में सड़क चलते लोगों को गाड़ी की टक्कर के नाम पर लूटने के मामले तेजी से बढ़ते जा रहे हैं। इसी तरह का एक मामला एरोड्रम थाना क्षेत्र अंतर्गत बांगड़दा रोड पर हुआ। यहां एक अज्ञात बदमाश ने कार में सवार एक दंपती और उनकी दो वर्षीय मासूम बच्ची पर डंडे से हमला करने का प्रयास किया। इस पूरी घटना का वीडियो शनिवार को सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के बाद पुलिस हरकत में आई और आरोपी के निवास स्थान पर दबिश दी, हालांकि आरोपी फिलहाल पुलिस की पकड़ से बाहर है।

एरोड्रम पुलिस से प्राप्त जानकारी के मुताबिक, उज्जैन के नागदा क्षेत्र के रहने वाले अंकित सैनी अपनी पत्नी संध्या और दो साल की बेटी के साथ

इंदौर आए थे। वे अपने किसी रिश्तेदार को वैवाहिक कार्यक्रम का निमंत्रण पत्र देने के लिए बांगड़दा क्षेत्र पहुंचे थे। इसी दौरान कालका माता मंदिर चौराहे के समीप एक बदमाश ने अचानक उनकी कार के सामने आकर रास्ता रोक लिया और हाथ में डंडा लेकर खड़ा हो गया। घटना के दौरान आरोपी ने अंकित की कार से टक्कर लगने का झूठा आरोप लगाते हुए विवाद करना शुरू कर दिया। बदमाश के उग्र व्यवहार को देखकर कार के भीतर बैठी महिला बुरी तरह डर गई और उसने हाथ जोड़कर आरोपी से परिवार को छोड़ने की प्रार्थना की। बताया जा रहा है कि आरोपी जानबूझकर वाहनों से टकराने का नाटक करता है ताकि वह वाहन चालकों को डरा-धमका सके और उनसे अवैध रूप से रुपयों की वसूली कर सके।

प्रदेश में निगम-मंडलों में नियुक्तियां शुरू, आईडीए बोर्ड अध्यक्ष का मामला होल्ड पर

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

प्रदेश के निगम-मंडलों पर सरकार ने नियुक्तियां शुरू कर दी हैं और इस बहाने भाजपा अपने नेताओं को उपकृत कर रही है। सबसे ज्यादा घमासान इंदौर और भोपाल के प्राधिकरण बोर्ड पर है। इंदौर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष के लिए भाजपा नेता हरिनारायण यादव का नाम लगभग तय है, लेकिन घोषणा नहीं हो पाई है। दोनों शहरों के प्राधिकरणों का मामला फिलहाल होल्ड पर रखा गया है।

संगठन की मंशा है कि अध्यक्ष के साथ दोनों शहरों के प्राधिकरणों में राजनीतिक बोर्ड का गठन भी साथ ही हो जाए। इस कारण उन नामों पर मंथन चल रहा है। वैसे भी भाजपा सरकार का ढाई वर्ष का कार्यकाल बीत चुका है। वरिष्ठ नेताओं की मंशा है कि बोर्ड में अन्य नेताओं को भी पद देकर उपकृत किया जाए।

दो बार बोर्ड में रह चुके हैं यादव

भाजपा नेता हरिनारायण यादव की गिनती मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के समर्थकों में होती है। वे 90 के दशक में एलआईजी वार्ड से पार्षद का चुनाव लड़ चुके हैं, लेकिन विपिन खुजनेरी से वे चुनाव जीत नहीं पाए थे। बाद में वे दो बार इंदौर विकास प्राधिकरण बोर्ड में उपाध्यक्ष और संचालक के तौर पर नियुक्त हुए, लेकिन इस बार वे अध्यक्ष बनना चाहते हैं। यादव के अलावा मुकेश राजावत और दीपक जैन (टीनू) का नाम भी चर्चा में है। जैन को इस बार भाजपा की प्रदेश कार्यकारिणी में नहीं लिया गया। माना जा रहा है कि संगठन ने उनके बारे में कुछ और सोच रखा है। इस कारण जैन का दावा भी मजबूत माना जा रहा है।

कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आए नेताओं को जिम्मेदारी

इंदौर विकास प्राधिकरण का यदि राजनीतिक बोर्ड बनता है, तो उसमें कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आए कुछ नेताओं को स्थान मिल सकता है। इसके अलावा स्वप्निल कोठारी का नाम भी युवा आयोग के अध्यक्ष के लिए चर्चा में है।

सिंहस्थ 2028 में ओंकारेश्वर जाएंगे 6 करोड़ से अधिक भक्त

इंदौर। अपर प्रमुख सचिव नगरीय प्रशासन एवं विकास संजय दुबे ने निर्देश दिए हैं कि सिंहस्थ 2028 के लिए ओंकारेश्वर में किए जाने वाले समस्त निर्माण कार्यों में भीड़ प्रबंधन और श्रद्धालुओं की सुविधा को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्माण कार्यों में सिंहस्थ के व्यस्ततम समय के दौरान अनुमानित दर्शन क्षमता के अनुसार भीड़ प्रबंधन हेतु होल्डिंग एरिया विकसित किए जाएं। साथ ही आमजन और विशिष्टजन के लिए पृथक कॉरिडोर तथा आपातकालीन चिकित्सा रूट की सुचारू व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु पार्किंग क्षेत्रों में ईवी चार्जिंग पॉइंट, ई-कार्ट, बैटरी संचालित साइकिल और व्हीलचेयर का प्रबंध किया जाए।

इंदौर के शिवाजी मार्केट को हटाने की निगम ने कर ली थी तैयारी, कोर्ट से आ गया स्टे

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर के शिवाजी मार्केट में पचास से ज्यादा दुकानों को नगर निगम हटाने की तैयारी कर चुका है। इन दुकानदारों को नगर निगम ने नंदलालपुरा सब्जी मंडी के मार्केट में जगह दी है, लेकिन दुकानदार इसके लिए राजी नहीं हैं। दुकानदारों को हटाने के लिए नगर निगम नोटिस दे चुका था।

रविवार को शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे, अमन बजाज सहित अन्य नेता दुकानदारों से मिलने पहुंचे और उन्हें हटाए जाने पर विरोध जताया। इस बीच कुछ दुकानदारों ने हटाए जाने के खिलाफ कोर्ट की शरण ली थी। कोर्ट से दुकानदारों के पक्ष में स्टे आया है। अब एक सप्ताह तक निगम मार्केट पर कार्रवाई नहीं कर सकता है।

दरअसल, शिवाजी मार्केट वाले हिस्से में मेट्रो ट्रैक की खुदाई का काम शुरू हो चुका है। यहां से एक सुरंग बनेगी, जो खान नदी के नीचे से जाएगी। इस सुरंग के निर्माण में ये दुकानें बाधक बन रही हैं। शिवाजी मार्केट को नगर निगम ने ही बनाया था और वर्षों पहले दुकानें लीज पर दी थीं। हर साल नगर निगम इसका किराया भी लेता है। 126 दुकानदारों को शिफ्ट करने के लिए नगर निगम ने नंदलालपुरा सब्जी मंडी के समीप चार करोड़ रुपये की लागत से एक मार्केट भी बनाया है, लेकिन वहां दुकानदार जाने के लिए तैयार नहीं हैं। निगम दुकानों के आवंटन के लिए ड्रॉ भी निकाल चुका है। मेट्रो के काम के लिए शिवाजी मार्केट मल्टीलेवल पार्किंग को भी हटाया जा चुका है और अब मार्केट की 50 से ज्यादा बाधक दुकानों को हटाने की तैयारी है।

सात दिवस्य गीता ज्ञान चिन्मय अमृत महोत्सव सम्पन्न

पंचकुला ■ ग्लोबल हेराल्ड

(चंद्रकांत सी पुजारी) चिन्मय मिशन के 75 वर्ष (1951-2026) पूर्ण होने पर चिन्मय अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में चिन्मय मिशन द्वारा आयोजित 19 सात दिवसीय गीता ज्ञान यज्ञ का विधिवत समापन गत दिवस 25 अप्रैल की सांय के प्रवचन के बाद हो गया। इस यज्ञ का समापन बड़ी संख्या में उपस्थित संगत द्वारा आचार्य जी के साथ मिलकर श्रीमद्भगवद् गीता जी के 15 अध्याय के सभी 20 श्लोकों के सामूहिक पाठ के बाद सभी को गीता पंचामृत की प्रसाद पुस्तिका के वितरण के साथ हुआ।

धन्यवाद प्रस्ताव में मिशन की सचिव श्रीमती सुनिशा शर्मा ने आचार्य जी के साथ साथ सभी सहयोगियों, साथियों, प्रैस व लोगों का इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिये तहदिल से धन्यवाद किया । इस गीता ज्ञान यज्ञ के द्वारा मिशन की रेजिडेंट आचार्य ब्रह्मचारिणी कालिंदी चैतन्य जी श्रीमद्भगवद्गीता के 15 वें अध्याय 'पुरुषोत्तम योग'के माध्यम से जन मानस को अपने वास्तविक स्वरूप को पहचानने व परमात्मा के शरणागत रह कर अपने जीवन को दिव्यता की ओर बढ़ाने का संदेश दिया। इन सात दिनों में बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं की उपस्थिति में चिन्मय श्रुति आश्रम का वातावरण बहुत ही भक्ति, ज्ञान व आध्यात्मिकता के माहौल से भरा रहा । चिन्मय अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में मिशन द्वारा पिछले महीने 15 मार्च को यहां समष्टि 108+ श्री हनुमान चालीसा

महायज्ञ का आयोजन बड़ी धूमधाम से किया गया था। इसी कड़ी में यहां की रेजिडेंट आचार्य जी विभिन्न सोसाइटियों व सेक्टरों में जा कर गीता पंचामृत के गीता के सार के पांच चुनिंदा श्लोकों पर प्रवचन भी कर रहीं हैं। इसी श्रृंखला में चिन्मय गीता समर्पणम के अंतर्गत 9 मई को गीता जी के 15 वें अध्याय के सभी 20 श्लोकों के ऑन लाइन समष्टि पाठ 108000+ लोगों के साथ - गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड का भरसक प्रयास रहेगा। चिन्मय मिशन के विश्व भर में 350 + केंद्रों में चिन्मय अमृत महोत्सव के कार्यक्रम वर्ष भर बड़ी ही कृतज्ञता व सेवा के भाव से मनाए जा रहे हैं । चिन्मय अमृत यात्रा, अमृत संदेश वाहिनी के साथ जिस में गुरुदेव स्वामी चिन्मयनन्द जी की दिव्य धरोहर वस्तुएँ , पादुका ,कलाकृतियां और मिशन के विकास की यात्रा के चित्र आदि लोगों के दर्शन के लिए रखे हैं 31 दिसंबर 2025 को चिन्मय विभूति, पुणे से शुरू हुई है और 295 दिन में 35000 कि.मी राष्ट्रव्यापी यात्रा में लगभग सभी केन्द्रों से होती हुई जिस में पंचकूला /चंडीगढ़ भी शामिल है समापन भारत मंडपम, दिल्ली में 23 से 25 अक्टूबर को होने वाले विश्व चिन्मय महासम्मेलन के साथ होगा ।

स्वच्छता सर्वेक्षण के लिए इंदौर हो रहा तैयार, डिवाइडर रोटरी पर रंग-रोगन, इंदौर ने ली सफाई में भी कसावट

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

देश के सबसे स्वच्छ शहर का लगातार नंबर वन खिताब जीतने वाले इंदौर ने एक बार फिर स्वच्छता सर्वेक्षण में सरताज बनने की तैयारी शुरू कर दी है। इस बार स्वच्छता सर्वेक्षण में बेहतर रैंकिंग के लिए इंदौर को अपने साथ देपालपुर को भी स्वच्छ बनाना होगा। सर्वेक्षण के लिए टीमें जल्द ही विभिन्न शहरों में रवाना होंगी और वर्षा ऋतु से पहले सर्वे पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

इंदौर में डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन, गार्बेज सेग्रिगेशन और डस्टबिन-फ्री सिटी जैसे सिस्टम पहले से ही अच्छी तरह काम कर

रहे हैं, इसलिए अधिकारियों को इस दिशा में अधिक मेहनत नहीं करनी होगी। हालांकि, शहर को और सुंदर बनाने तथा नए मापदंडों पर अधिक अंक प्राप्त करने के लिए तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इस बार स्वच्छता सर्वेक्षण 2026 के नियमों में बदलाव किया गया है और कुल 12,500 अंक निर्धारित किए गए हैं। रैंकिंग सुधारने के लिए शहरों को कचरा प्रबंधन को और व्यापक बनाना होगा। अब केवल कचरा उठाने से ही रैंकिंग तय नहीं होगी, बल्कि सार्वजनिक स्थानों और सरकारी कार्यालयों की दीवारों पर पान-गुटखा के दाग, तथा पर्यटन स्थलों की गंदगी भी अंक घटा सकती है। इसे ध्यान में रखते हुए नगर निगम ने हाल ही में नो थू-थू अभियान शुरू किया है। इसके अलावा, नागरिकों का फीडबैक और सर्वेक्षण टीम द्वारा शहरवासियों से ली गई जानकारी भी महत्वपूर्ण होगी। शहर के प्रमुख चौराहों की रोटरी और डिवाइडरों को रंगा जा रहा है, जबकि सार्वजनिक दीवारों पर पेंटिंग की जा रही है।

मेयर ने पार्षदों को दिए निर्देश

स्वच्छता सर्वेक्षण को ध्यान में रखते हुए नगर निगम वार्ड स्तर पर अभियान चलाएगा। इसके लिए मेयर ने महापौर परिषद की बैठक ली, जिसमें सभी पार्षदों को अपने-अपने वार्डों में जाकर स्वच्छता व्यवस्था का निरीक्षण करने और कमियों को दूर करने के निर्देश दिए गए।

बैकलेन में बढ़ी गंदगी

शहर की बैकलेन पिछले वर्ष की तुलना में अधिक गंदी हो गई हैं। स्पॉट फाइन नहीं होने के कारण कई लोग यहां कचरा फेंकने लगे हैं। इसके अलावा, कई स्थानों पर सफाईकर्मियों के अस्थायी कचरा घर बना दिए गए हैं, जहां आसपास के निवासी भी कचरा डाल रहे हैं। शहर के नालों की सफाई बनाए रखना भी एक बड़ी चुनौती है, क्योंकि हर साल सफाई के बावजूद उनमें गाद जमा हो जाती है।

एमपी ट्रांसको ने दमोह की पारेषण व्यवस्था को किया सशक्त- मंत्रीः तोमर

इंदौर। प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युमन सिंह तोमर ने बताया कि मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने दमोह जिले की विद्युत पारेषण प्रणाली को और अधिक मजबूत एवं विश्वसनीय बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। एम पी ट्रांसको द्वारा 220 केवी सबस्टेशन, दमोह में क्षमता वृद्धि करते हुए 43 वर्ष पुराने 20 एमवीए पावर ट्रांसफार्मर के स्थान पर 50 एमवीए का नया पावर ट्रांसफार्मर स्थापित कर ऊर्जीकृत किया गया है। जिससे सब स्टेशन की क्षमता बढ़कर 650 एम वी ए की हो गई है। ऊर्जा मंत्री तोमर ने बताया कि लगभग 5 करोड रुपये की अनुमानित लागत के इस अपग्रेडेसन से दमोह जिले में विद्युत आपूर्ति की गुणवत्ता और स्थिरता में उल्लेखनीय सुधार होगा।

105 पानी की टंकियों पर लगेंगे सीसीटीवी कैमरे, नियमित होगी जांच

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

भागीरथपुरा में हुई हालिया घटना के बाद शहर की जल वितरण प्रणाली को लेकर नगर निगम प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। प्रशासन अब पानी की टंकियों की सुरक्षा और आपूर्ति की शुद्धता को लेकर किसी भी प्रकार का जोखिम उठाने के मूड में नहीं है। इसी कड़ी में नगर निगम ने शहर की सभी 105 पानी की टंकियों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने का एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव तैयार किया है। इस योजना के तहत न केवल टंकियों की निगरानी की जाएगी, बल्कि सरकारी बोरिंग और कुओं से मिलने वाले पानी की गुणवत्ता की नियमित जांच भी सुनिश्चित की जाएगी।

टंकियों की सुरक्षा और निगरानी के लिए लगेंगे कैमरे

नगर निगम के जलकार्य व सीवरेज प्रभारी एवं एमआईसी सदस्य अभिषेक शर्मा ने बताया कि नगर निगम की नई योजना के अनुसार शहर की

भागीरथपुरा घटना के बाद सतर्क हुआ नगर निगम

सभी जलापूर्ति टंकियों को अब सख्त निगरानी के दायरे में लाया जा रहा है। टंकियों के ऊपरी हिस्सों तक पहुंचने वाले सभी रास्तों को दुरुस्त किया जाएगा और उन्हें स्थायी रूप से बंद रखने के पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे। वहां कैमरों की स्थापना की जाएगी ताकि किसी भी अनधिकृत व्यक्ति का प्रवेश रोका जा सके। निगम का मानना है कि इन सुरक्षा उपायों से जल स्रोतों की सुरक्षा पुख्ता होगी और भविष्य में किसी भी तरह की संभावित छेड़छाड़ की आशंका पूरी तरह समाप्त हो जाएगी। जलकार्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि आगामी दिनों में पारदर्शिता और सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। नगर निगम के अधिकारी और एमआईसी सदस्य लगातार समीक्षा बैठकें कर रहे हैं ताकि गर्मी के मौसम में जलापूर्ति में कोई संकट न आए। सरकारी बोरिंग और कुओं से भरे जाने वाले पानी की सैंपलिंग अब अनिवार्य होगी। जिन प्रमुख स्रोतों से शहर में पानी भेजा जा रहा है, वहां की लैब टेस्टिंग नियमित रूप से की जाएगी ताकि आम जनता तक पहुंचने वाले जल की शुद्धता बनी रहे।

वार्ड स्तर पर जल प्रबंधन की रणनीति बनेगी

अभिषेक शर्मा ने प्रत्येक वार्ड में कम से कम एक हाईडेंट की व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं। इससे टैंकरों को भरने में आसानी होगी और समय की बचत होगी। साथ ही शहर के सभी बोरिंग की समय पर सर्विसिंग करने का निर्णय लिया गया है ताकि गर्मी के दौरान तकनीकी खराबी के कारण आपूर्ति बाधित न हो। जलूद पंपिंग स्टेशन पर लगे ट्रांसफार्मर और अन्य महत्वपूर्ण उपकरणों के रखरखाव पर भी जोर दिया जा रहा है। शॉर्ट सर्किट जैसी घटनाओं से निपटने के लिए जरूरी कलपुर्जों का अग्रिम स्टॉक रखने के निर्देश दिए गए हैं।

टैंकरों की संख्या बढ़ाई जाएगी

वर्तमान में शहर में लगभग 300 टैंकर संचालित हो रहे हैं, जिनमें से 80 टैंकर सीधे नगर निगम के हैं। प्रशासन ने आवश्यकता पड़ने पर इनकी संख्या बढ़ाकर 500 से अधिक करने की योजना बनाई है। इसके लिए निजी टैंकर संचालकों की एक सूची भी तैयार की जा रही है ताकि आपात स्थिति में उन्हें निगम के साथ जोड़ा जा सके। खास बात यह है कि इन निजी टैंकरों के पानी की गुणवत्ता की भी कड़ी जांच की जाएगी। इसके अतिरिक्त बगीचों और सीवरेज कार्यों के लिए अब पेयजल के स्थान पर केवल ट्रीटेड वॉटर का उपयोग करने का फैसला लिया गया है ताकि पीने के पानी की बचत हो सके।

योजना का क्रियान्वयन जल्द होगा- अभिषेक शर्मा के अनुसार टंकियों की निगरानी के लिए पूरा मसौदा तैयार कर लिया गया है। टंकियों के प्रवेश द्वारों को बंद करने के साथ-साथ टेस्टिंग लैब की सुविधाओं को भी सुदृढ़ किया जा रहा है। इस पूरी योजना का मुख्य उद्देश्य शहरवासियों को सुरक्षित और स्वच्छ जल की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करना है।

सिंधिया को शिकस्त देनेवाले केपी यादव को बीजेपी ने नवाजा, दिया बड़ा दायित्व

भोपाल ■

सन 2019 में तत्कालीन कांग्रेसी प्रत्याशी ज्योतिरादित्य सिंधिया को हराकर गुना शिवपुरी सीट पर बीजेपी का वर्चस्व स्थापित करनेवाले केपी यादव को आखिरकार पार्टी ने पुरुस्कृत कर दिया है। उन्हें एमपी स्टेट सिविल सप्लाईज कॉर्पोरेशन (मध्यप्रदेश नागरिक आपूर्ति निगम- नान) का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। ज्योति?रादित्य सिंधिया के बीजेपी में आ जाने पर तत्कालीन सांसद केपी यादव को टिकट नहीं दी गई थी लेकिन इस त्याग पर उन्हें अहम दायित्व देने का भरोसा दिलाया गया था। पार्टी ने अब यह वादा पूरा कर दिया है। कई प्रकार के विरोधों और अड़ंगों के बावजूद केपी यादव की यह नियुक्ति की गई है। सरकार ने कुछ अन्य नियुक्तियों की घोषणा भी की है।

पूर्व सांसद केपी यादव को जहां सरकार ने एमपी स्टेट सिविल सप्लाईज कॉर्पोरेशन (मध्यप्रदेश नागरिक आपूर्ति निगम- नान) का अध्यक्ष नियुक्त किया वहीं भिंड जिला भाजपा के पूर्व अध्यक्ष संजीव कांकर को उपाध्यक्ष बनाया है। इन दोनों नेताओं का पदों पर कार्यकाल दो वर्ष का होगा। सरकार ने मप्र वेयर हाउसिंग एवं लॉजिस्टिक कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष पद के लिए भी नियुक्ति की घोषणा की है। वेयर हाउसिंग कॉर्पोरेशन की कमान भाजपा नेता संजय नगाइच को दी गई है। वे पन्ना के वरिष्ठ पार्टी नेताओं में शुमार हैं। वेयर हाउसिंग एवं लॉजिस्टिक कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष पद के रूप में संजय नगाइच का कार्यकाल 3 वर्ष का होगा। केपी यादव की नियुक्ति के साथ ही केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा किया गया वादा निभा दिया गया है।

लोकसभा चुनाव में सिंधिया को ही हराया

खास बात यह है कि 2019 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी के केपी यादव ने तब कांग्रेस के उम्मीदवार रहे ज्योतिरादित्य सिंधिया को ही हराया था। सिंधिया भाजपा में आए तो केपी की टिकट काटकर उनसे 'सम्मान' का वादा किया था, जिसे भाजपा ने अब नान का अध्यक्ष नियुक्त कर निभाया है। बता दें कि सरकार ने सबसे पहले भाजपा नेता जयभान सिंह पवैया को राज्य वित्त आयोग का अध्यक्ष घोषित कर राजनीतिक नियुक्तियों की शुरूआत की थी। इसके बाद अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आयोग में अध्यक्ष नियुक्त किए। पशुधन एवं कुक्कुट विकास निगम, ग्वालियर मेला प्राधिकरण के अध्यक्षों का ऐलान किया था।

अतिक्रमण हटाने पहुंची टीम पर 150 लोगों ने किया हमला, जेसीबी में की तोड़फोड़, इलाके में तनाव

बुरहानपुर ■

बुरहानपुर वनमंडल की नेपा रेंज के ग्राम झांझर में रविवार सुबह अतिक्रमण हटाने पहुंची वन विभाग, पुलिस और प्रशासन की टीम पर अचानक हमला हो गया। करीब 11 बजे बाहरी अतिक्रमणकारियों ने पथराव शुरू कर दिया, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। इस घटना में वनकर्मियों समेत 4 लोग घायल हो गए, जानकारी के अनुसार, लंबे समय से वन विभाग इस क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने की तैयारी कर रहा था।

रविवार को जैसे ही कार्रवाई शुरू हुई, झांझर गांव में विरोध तेज हो गया और करीब 150 लोगों ने टीम पर हमला कर दिया। इस अभियान में निमाड़ के चार जिलों से आए वन अमले और स्थानीय पुलिस बल को तैनात किया गया था। शनिवार शाम को ही बुरहानपुर पुलिस लाइन में भारी फोर्स जुटा ली गई थी। डीएफओ विद्याभूषण सिंह के मुताबिक, नेपानगर रेंज में चिन्हित बाहरी अतिक्रमणकारियों को हटाने के लिए बड़े स्तर पर अभियान चलाया जा रहा है। इसमें बुरहानपुर के साथ खंडवा, खरगोन और बड़वाह के वनकर्मी भी शामिल हैं। करीब 500 से अधिक अधिकारी-कर्मचारी जेसीबी और अन्य संसाधनों के साथ मौके पर मौजूद हैं। पथराव के दौरान एक जेसीबी पर पत्थर लगने से उसका संतुलन बिगड़ गया और वाहन पलट गया। चालक कमल बंसल के सिर में चोट आई, जिन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। घायल चालक ने बताया कि अचानक हुए हमले के कारण मौके पर मौजूद पुलिस और वनकर्मी भी पीछे हटने को मजबूर हो गए। वन विभाग के एसडीओ अजय सागर ने बताया कि टीम नियमानुसार अतिक्रमण हटाने पहुंची थी, लेकिन कुछ लोगों ने विरोध करते हुए पथराव कर दिया। फिलहाल घायल चालक की हालत स्थिर बताई जा रही है। गौरतलब है कि पिछले कुछ वर्षों में इस क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अवैध कटाई और अतिक्रमण की घटनाएं सामने आई हैं। वन विभाग ने पहले भी अभियान चलाकर हजारों टपरियां हटाई थीं और बड़े स्तर पर पौधारोपण किया था। अब फिर से अतिक्रमण बढ़ने पर सख्ती बरती जा रही है।

मध्य प्रदेश में गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट, एफआईआर दर्ज

पन्ना। मध्य प्रदेश के पन्ना जिले के एक पुलिस थाने में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से जुड़ा बड़ा मामला सामने आया है। मामला सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व ट्विटर) पर अमित शाह के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी का है। जिले में ये मुद्दा लगातार तूल पकड़ रहा है। मामले को गंभीर मानते हुए कोतवाली थाना पुलिस ने संबंधित यूजर के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद राजनीतिक हलकों में भी हलचल तेज हो गई है। भाजपा की जिला उपाध्यक्ष पूनम यादव ने यूजर सचिन मौर्य के खिलाफ कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज की थी। इस शिकायत के आधार पर पुलिस ने सचिन मौर्य नामक व्यक्ति के विरुद्ध एफआईआर दर्ज की है। शिकायत में भाजपा नेत्री ने आरोप लगाया कि संबंधित व्यक्ति ने अपने एक्स अकाउंट से केंद्रीय गृह मंत्री के विरुद्ध अभद्र एवं आपत्तिजनक टिप्पणी पोस्ट की, जिससे उनकी छवि धूमिल करने का प्रयास किया गया। शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि पोस्ट में अनुचित शब्दों का प्रयोग किया गया तथा एक महिला की तस्वीर भी साझा की गई, जिस पर विभिन्न प्रकार की प्रतिक्रियाएं सामने आईं।

छतरपुर में लापरवाही: जिंदा लोगों के बनाए गए मृत्यु प्रमाण पत्र

छतरपुर ■

पीड़ित

पीड़ित

पीड़ित

छतरपुर जिले के जनपद पंचायत गौरिहार अंतर्गत ग्राम पंचायत चंद्रपुरा में प्रशासनिक लापरवाही का गंभीर मामला सामने आया है। यहां तीन जीवित व्यक्तियों को दस्तावेजों में मृत घोषित कर उनके नाम से मृत्यु प्रमाण पत्र जारी कर दिए गए।

मामले का खुलासा तब हुआ, जब ग्राम पंचायत चंद्रपुरा निवासी रामबाई रैकवार (पत्नी चुनवाद रैकवार), गिरजा विश्वकर्मा (पत्नी रामाधीन विश्वकर्मा) और कल्लू अहिरवार (पुत्र सुख्खा अहिरवार) ने 17 अप्रैल 2026 को जनपद पंचायत कार्यालय पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि वे पूरी तरह जीवित हैं, इसके बावजूद उनके नाम से मृत्यु प्रमाण पत्र जारी कर दिए गए, जिससे उन्हें सरकारी योजनाओं और अन्य सुविधाओं का लाभ लेने में परेशानी हो रही है। शिकायत के बाद प्रशासन ने मामले की जांच कराई, जिसमें आरोप सही पाए गए। जांच में स्पष्ट हुआ कि यह कृत्य मध्यप्रदेश पंचायत सेवा (आचरण) नियम 1996 के तहत गंभीर कदाचार की श्रेणी में आता है। मामले को गंभीरता से लेते हुए जिला पंचायत सीईओ नमः शिवाय अरजरिया ने ग्राम पंचायत चंद्रपुरा के सचिव अमर सिंह को मध्यप्रदेश पंचायत सेवा (अनुशासन तथा अपील) नियम 1999 के नियम 4 (1) (क) के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि के दौरान उनका मुख्यालय जनपद पंचायत गौरिहार कार्यालय निर्धारित किया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि निलंबन अवधि में नियमानुसार संबंधित कर्मचारी को जीवन निर्वाह भत्ता दिया जाएगा। इस कार्रवाई के बाद पंचायत स्तर की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं और अन्य पंचायतों में भी रिकॉर्ड की जांच की मांग उठने लगी है।

तपिश के बीच मौसम का यू-टर्न

भोपाल। मध्यप्रदेश में भीषण गर्मी के बीच मौसम ने अचानक करवट बदल ली। रविवार शाम महू में तेज बारिश हुई, जबकि भोपाल के कई इलाकों में हल्की दर्ज की गई। सीहोर और रतलाम में अच्छी बारिश ने लोगों को तपती गर्मी से थोड़ी राहत दी। हालांकि यह राहत पूरे प्रदेश में एक जैसी नहीं है। इधर गर्मी के प्रकोप को देखते हुए कई जिलों में स्कूलों के समय में बदलाव और छुट्टियां घोषित की गई हैं। भोपाल में 8वीं तक छुट्टी की घोषणा कर दी गई है। मध्यप्रदेश में गर्मी अब खतरनाक स्तर पर पहुंच गई है। 26 अप्रैल की शाम तक के मौसम आंकड़े बता रहे हैं कि प्रदेश के ज्यादातर शहरों में तापमान 43 से 45 डिग्री सेल्सियस के बीच बना हुआ है। तेज धूप और गर्म हवाओं ने जनजीवन को पूरी तरह प्रभावित कर दिया है। दिन के साथ रात का तापमान भी ज्यादा बना हुआ है, जिससे लोगों को राहत नहीं मिल रही। कई शहरों में न्यूनतम तापमान 25 से 28 डिग्री के बीच दर्ज हुआ, जो सामान्य से ज्यादा है।

भोपाल में लगी भीषण आग, खाक हुआ जीटीएस प्लांट, 4 फायर ब्रिगेड और कई टेंकर पहुंचे

भोपाल ■

एमपी की राजधानी भोपाल में भीषण आग लगी है। शहर के अन्ना नगर क्षेत्र में आगजनी की यह घटना हुई। यहां स्थित गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन जीटीएस में आग लगी। आग की भीषण लपटें देख इलाके में हड़कंप मच गया।

मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की कई टीमें घटनास्थल पर पहुंची हैं और आग बुझाने का प्रयास जारी है। पानी के कई टेंकर भी आग बुझाने में लगे हैं। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है लेकिन स्थिति पर काबू पाने की कोशिश जारी है। पता चला है कि जीटीएस की रिसाइकलिंग यूनिट में आग लगी है। इसमें रिसाइकिलिंग वाले कपड़ों का ढेर भरा हुआ था। बताया जा रहा है कि लगभग महीने भर से फेब्रिक रिसाइकलिंग यूनिट बंद पड़ा था। इसे दोबारा शुरू करने के लिए निगम ने 15 दिन पहले नोटिस भी जारी किया था। जीटीएस में कई टन कपड़े रखे थे। यह यूनिट पीपीपी मोड में चलाया जा रहा था। आगजनी की घटना से 25 लाख का प्लांट जल कर खाक हो गया। लगभग 150 टन कपड़ों में आग लगी।यूनिट बंद होने से लाखों का नुकसान हो गया है। आग लगने से निगम का मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी एमआरएफ भी जल कर खाक हो गया। आधिकारिक जानकारी के अनुसार अभी मौके पर 4 फायर ब्रिगेड मौजूद हैं।

सेंधवा में सैनिक स्कूल स्थापना की मांग पर कार्यवाही प्रारंभ रक्षामंत्री ने दिए जांच के आदेश

पत्र द्वारा अजजा आयोग राष्ट्रीय अध्यक्ष को दी जानकारी

सेंधवा (निर्मला वर्मा)। बड़वानी जिले के जनजातीय बाहुल्य क्षेत्र सेंधवा में सैनिक स्कूल की स्थापना को लेकर अनुसूचित जनजाति आयोग राष्ट्रीय अध्यक्ष अंतरसिंह आर्य ने इस संबंध में देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह एवं रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह को पत्र लिखकर सेंधवा में नवीन सैनिक स्कूल स्थापित करने की मांग की है।

इस मांग पर देश के रक्षा मंत्री राजनाथसिंह ने आवश्यक कार्यवाही प्रारंभ करते हुए पत्र के माध्यम से आर्य को अवगत कराया कि उनकी मांग पर इसकी जांच कराई जा रही है। रक्षा मंत्री राजनाथसिंह का पत्र आर्य को 17 अप्रैल को लिखा गया था । सैनिक स्कूल स्थापना हेतु आर्य ने अपने पत्र में उल्लेख किया कि देश की एकता और अखंडता की रक्षा में जनजातीय क्षेत्रों का योगदान हमेशा से अतुलनीय रहा है। मध्यप्रदेश का बड़वानी जिला, विशेषकर सेंधवा विकासखंड, जनजातीय बाहुल्य क्षेत्र है, जहां के युवाओं में शारीरिक दक्षता, साहस और राष्ट्र सेवा के प्रति गहरा जज्बा देखा जाता है। उन्होंने सेंधवा की भौगोलिक एवं सामरिक महत्ता को रेखांकित करते हुए बताया कि यह क्षेत्र मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र की सीमा पर स्थित एक महत्वपूर्ण केंद्र है। यहां का शांत वातावरण एवं अनुकूल भौगोलिक परिस्थितियां सैन्य प्रशिक्षण एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए अत्यंत उपयुक्त हैं। आर्य ने यह भी बताया कि क्षेत्र के अनेक जनजातीय युवा पहले से ही सेना और पुलिस बलों में सेवाएं दे रहे हैं। यदि सेंधवा में सैनिक स्कूल की स्थापना होती है तो स्थानीय प्रतिभाशाली बच्चों को प्रारंभिक स्तर से ही अनुशासित वातावरण और उच्च स्तरीय सैन्य प्रशिक्षण का अवसर मिलेगा। उन्होंने अपने पत्र में सामाजिक एवं शैक्षणिक उत्थान पर भी जोर देते हुए कहा कि सैनिक स्कूल की स्थापना से न केवल शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होगा, बल्कि यह पिछड़ा जनजातीय क्षेत्र राष्ट्रीय मुख्यधारा से और अधिक मजबूती से जुड़ सकेगा। आर्य ने यह भी उल्लेख किया कि वर्तमान में मध्यप्रदेश में सैनिक स्कूलों की संख्या सीमित है और निमाड़ अंचल के जनजातीय बाहुल्य बड़वानी जिले में ऐसा कोई संस्थान संचालित नहीं है। अंत में उन्होंने रक्षा मंत्री से आग्रह किया कि सामरिक महत्व एवं सामाजिक न्याय को ध्यान में रखते हुए सेंधवा (जिला बड़वानी) में नवीन सैनिक स्कूल की स्वीकृति प्रदान करने हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए जाएं।

अहिल्या बाई जल संवर्धन यात्रा: मध्यप्रदेश-सेंधवा समन्वय को लेकर तैयारियों पर विस्तृत चर्चा

सेंधवा (निर्मला वर्मा)। पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होल्कर की त्रिशताब्दी जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में जलसंपदा विभाग द्वारा आयोजित ह्लगोदा से नर्मदा जल जागृति यात्राह्व को लेकर मध्यप्रदेश एवं सेंधवा में समन्वय और तैयारियों पर व्यापक चर्चा की जा रही है। यह यात्रा जल संरक्षण, नदी जोड़ो अभियान एवं सांस्कृतिक विरासत के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से निकाली जा रही है।

यात्रा का शुभारंभ महाराष्ट्र के बीड जिले स्थित अहिल्यादेवी होल्कर की जन्मस्थली चौढी से 25 अप्रैल को हुआ, जो 29 अप्रैल को उनकी कर्मभूमि महेश्वर (मध्यप्रदेश) पहुंचेगी। इस दौरान नासिक-त्र्यंबकेश्वर से निकला एक अन्य दल शिर्डी में मुख्य यात्रा से जुड़ेगा, जिसके बाद संयुक्त रूप से यात्रा महेश्वर की ओर प्रस्थान करेगी। यात्रा के संयोजक एवं आमदार (विधायक) गोपीचंद पडळकर ने बताया कि यह अभियान समाज में जल के महत्व को समझाने, नदियों के संरक्षण और सांस्कृतिक एकता को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में जुड़कर इसे जनआंदोलन बनाने की अपील की। मध्यप्रदेश में यात्रा 29 अप्रैल को सेंधवा में प्रवेश करेगी, जहां नगर पालिका अध्यक्ष बसंती बाई यादव के मार्गदर्शन में भव्य स्वागत कार्यक्रम आयोजित होगा। सेंधवा में यात्रा समन्वय की जिम्मेदारी स्थानीय

समिति को सौंपी गई है, जिसमें यात्रा प्रभारी श्री गोविंद मामा शर्मा, मनोज मराठे एवं दीपक महाजन प्रमुख रूप से शामिल हैं। शहर में विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा अलग-अलग स्थानों पर स्वागत मंच तैयार किए जा रहे हैं। दीनदयाल गंज एकता संगठन, ब्राह्मण समाज, सिख समाज (गुरुद्वारा चौक), अग्रवाल समाज (अग्रसेन चौराहा), महाराष्ट्रीयन समाज (शिवाजी पुतला चौक), पुराना बस स्टैंड एवं बाबा साहेब आंबेडकर प्रतिमा स्थल सहित कई स्थानों पर स्वागत कार्यक्रम होंगे। इन व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी बालकृष्ण बाविस्कर टीम को सौंपी गई है। इंदौर से आए समन्वय समिति प्रमुख सुधीर ढेडगे ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की। यात्रा महाराष्ट्र के विभिन्न जिलों से होते हुए मध्यप्रदेश में प्रवेश कर सेंधवा, जुलवानिया, अंजड़, राजपुर, ठीकरी सहित कई स्थानों पर पहुंचेगी, जहां जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक संगठनों द्वारा स्वागत किया जाएगा।यात्रा कोऋलेकर महाराष्ट्र से महेश्वर तक सुधीर देडगे, संजय सातव, देवेंद्र होलकर, अंशुल मित्तल, प्रतीक मित्तल व्दारा दौरा कार्क्रम किया जा रहा जो आज सेन्धवा से धामनोद तक रहेगा इस यात्रा के दौरान पदयात्रा, जनसंवाद, जल संरक्षण के प्रति जागरूकता कार्यक्रम एवं सांस्कृतिक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी, जिसमें बड़ी संख्या में आमजन की सहभागिता देखने को मिल रही है।

ब्राइडल मेकअप के लिए ब्यूटी पार्लर गई दुल्हन प्रेमी संग फरार

अनूपपुर। मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिले से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां शादी के दिन एक दुल्हन अपने प्रेमी संग भाग गई। दूल्हा बारात लेकर आ चुका था लेकिन मेकअप कराने गई दुल्हन जब वापस नहीं लौटी तो विवाह स्थल पर हंगामा हो गया, विवाद की स्थित बनी। दुल्हन के परिवारवालों ने हर तरफ दुल्हन की तलाश की लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला। बाद में जानकारी मिली की दुल्हन अपने प्रेमी के साथ भाग गई है। इसके बाद बिना विवाह के ही बारात वापस लौट गई। अनूपपुर जिले के कोतमा थाना क्षेत्र में शादी के दिन दुल्हन ब्यूटी पार्लर से अपने प्रेमी के साथ भाग गई।

पांच साल बाद धार क्या बनेगा? - सुरक्षा का बीज या सिर्फ एक और सपना

प्रो. आरके जैन
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

मप्र के धार की पहचान अब केवल उसके प्राचीन वैभव से नहीं, बल्कि एक नए साहसिक संकल्प से जुड़ने जा रही है। 22 अप्रैल 2026 की घोषणा ने इस शांत, ऐतिहासिक नगर को अचानक राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में ला दिया—जब इसे सेफ सिटी प्रोजेक्ट 2026 के लिए चुना गया। देश के 10 चुनिंदा शहरों में स्थान पाना और मध्य प्रदेश से अकेले प्रतिनिधि के रूप में उभरना इस बात का संकेत है कि धार अब बदलाव की प्रयोगशाला बनने को तैयार है। 10 करोड़ का आवंटन और पांच वर्षों की समयसीमा केवल प्रशासनिक आंकड़े नहीं, बल्कि गहरे सामाजिक परिवर्तन की मजबूत नींव हैं। प्राचीन मालवा की राजधानी अब महिलाओं की सुरक्षा के आधुनिक प्रतीक की ओर बढ़ रही है—एक ऐसा रूपांतरण, जो शहर का चेहरा ही नहीं, उसकी सोच भी बदल सकता है।

यह योजना सिर्फ सुरक्षा के इंतजाम खड़े करने की नहीं, बल्कि हर महिला के भीतर भरोसे का अहसास जगाने की पहल है। इसके तहत संवेदनशील इलाकों में सीसीटीवी कैमरे, बेहतर स्मार्ट स्ट्रीट लाइटिंग और सशक्त निगरानी तंत्र विकसित किया जाएगा। महिला हेल्प डेस्क, त्वरित पुलिस प्रतिक्रिया और सुरक्षित सार्वजनिक परिवहन इस ढांचे को और प्रभावी बनाएंगे। पिंक टॉयलेट्स जैसी सुविधाएं स्पष्ट करती हैं कि लक्ष्य केवल सुरक्षा नहीं, बल्कि सम्मान और सुविधा भी है। निर्भया फंड से जुड़ी इस पहल को धार लोकसभा क्षेत्र की सांसद और केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर के सक्रिय प्रयासों से गति मिली, जबकि जिला प्रशासन ने चरणबद्ध योजना में हाई-रिस्क क्षेत्रों को प्राथमिकता देकर इसे जमीनी जरूरतों से जोड़ दिया है। धार की मौजूदा तस्वीर ही इस पहल की अपरिहार्यता को रेखांकित करती है। ग्रामीण और शहरी जीवन का संगम जहां इसकी पहचान है, वहीं यही मिश्रण सुरक्षा की चुनौतियों को और पेचीदा बना देता है। अंधेरी गलियां, कमजोर रोशनी वाले बाजार और सूने सार्वजनिक स्थल—ये परिस्थितियां महिलाओं के लिए असहजता और असुरक्षा का माहौल गढ़ती हैं। कामकाजी महिलाएं, छात्राएं और पर्यटक अक्सर भय के साये में गुजरते हैं। ऐसे में यह परियोजना केवल ढांचे का सुधार नहीं, बल्कि भरोसे को फिर से मजबूत करने का प्रयास है। स्थानीय महिलाओं की आवाज इसे दिशा देती है—अब हमारी बेटियां बिना डरे बाहर निकल सकेंगी। यह सिर्फ उम्मीद नहीं, बल्कि लौटते सामाजिक आत्मविश्वास का सशक्त संकेत है। यह पहल बदलाव का निर्णायक मोड़ बन सकती है, जिसका असर

शहर के हर कोने में दिखेगा। महिलाओं की बढ़ती सुरक्षा के साथ उनकी भागीदारी शिक्षा, रोजगार और उद्यमिता में तेजी से बढ़ेगी। बाजार देर तक जीवंत रहेंगे, छोटे कारोबारों को संबल मिलेगा और निवेश का भरोसा मजबूत होगा। पर्यटन को भी नई रफ्तार मिलेगी, क्योंकि धार के ऐतिहासिक स्थल अब अधिक सुरक्षित और आकर्षक बनेंगे। इससे स्थानीय गाइड, हस्तशिल्प विक्रेता, होटल व्यवसायी और परिवहन सेवाएं सीधे लाभान्वित होंगी, और शहर की अर्थव्यवस्था में नई ऊर्जा आएगी। मध्य प्रदेश सरकार इसे एक मॉडल मान रही है, जो इंदौर, भोपाल सहित अन्य शहरों के लिए भी मार्गदर्शक बन सकता है। राष्ट्रीय स्तर पर यह पहल इस धारणा को तोड़ती है कि सेफ सिटी केवल महानगरों तक सीमित है। इस चमकती तस्वीर के पीछे कुछ सख्त सच भी छिपे हैं, जिन्हें नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है। 2012-16 के दौरान मध्य प्रदेश के चार शहरों में लागू सेफ सिटी इनिशिएटिव की रिपोर्ट स्पष्ट करती है कि केवल बुनियादी ढांचे के सुधार से अपराध में अपेक्षित कमी नहीं आई। सामाजिक मान्यताओं और व्यवहार में बदलाव की कमी ने इसकी प्रभावशीलता सीमित कर दी। यही अनुभव इस नई परियोजना के लिए एक अहम चेतावनी है। कैमरे और रोशनी सुरक्षा के साधन हैं, समाधान नहीं—असल परिवर्तन समाज की सोच में आता है। इसलिए व्यवहार परिवर्तन, लैंगिक संवेदनशीलता और जन-जागरूकता अभियानों को अनिवार्य रूप से जोड़ना होगा, ताकि सुरक्षा दिखावे से आगे बढ़कर जीवन की स्वाभाविक सच्चाई बन सके। जमीन पर उतरते ही असली परीक्षा शुरू होती है, और यहीं चुनौतियां सामने आती हैं। ?10 करोड़ का फंड तभी असर दिखाएगा, जब उसका पारदर्शी और सुविचारित उपयोग हो। तकनीकी उपकरणों का नियमित रखरखाव, कर्मचारियों का समुचित प्रशिक्षण और निगरानी तंत्र की सतत सक्रियता—यही इसकी सफलता की धुरी हैं। सीसीटीवी के विस्तार के साथ गोपनीयता का सवाल भी उठेगा, जिसे संतुलित और संवेदनशील तरीके से संभालना होगा। साथ ही डिजिटल साक्षरता और तकनीकी जागरूकता बढ़ाना जरूरी है, ताकि नागरिक इस व्यवस्था से जुड़ सकें और उसका सही उपयोग करें। पांच वर्षों के बाद इसकी निरंतरता बनाए रखना भी चुनौती होगी, क्योंकि योजनाएं तभी सफल मानी जाती हैं जब वे समय के साथ जीवित और प्रासंगिक बनी रहें। फिर भी, यह पहल एक साझा जिम्मेदारी का दुर्लभ अवसर बनकर उभरती है। प्रशासन, पुलिस, गैर-सरकारी संगठन और नागरिक—सभी को मिलकर इस बदलाव को जमीन पर उतारना होगा। सांसद सावित्री ठाकुर के नेतृत्व में बनी रूपरेखा में इस साझेदारी की स्पष्ट झलक है। यदि स्कूलों, कॉलेजों, महिला समूहों और स्थानीय संगठनों को सक्रिय रूप से जोड़ा गया, तो यह पहल केवल योजना नहीं, बल्कि एक व्यापक सामाजिक आंदोलन बन सकती है—जो सुरक्षा से आगे बढ़कर समाज के हर आयाम को छुएगी। यही सामूहिक प्रयास इसे स्थायित्व और वास्तविक गहराई दे सकता है। इतिहास के मोड़ पर खड़ा धार अब ऐसे बदलाव की ओर बढ़ रहा है, जो सिर्फ रूप नहीं, सोच भी बदलेगा। सवाल केवल चेहरे के परिवर्तन का नहीं, बल्कि उसकी गहराई और स्थायित्व का है। इस यात्रा में आशा और सतर्कता दोनों जरूरी हैं। मजबूत वित्तीय आधार, केंद्र-राज्य सहयोग और पांच वर्षों की समयसीमा इसे सफलता की मजबूत नींव देते हैं। यदि क्रियान्वयन पारदर्शी रहा, जनभागीदारी मजबूत हुई और सोच में बदलाव आया, तो धार की सड़कें रोशनी के साथ भरोसे और स्वतंत्रता से चमकेंगी। तब यह शहर संदेश देगा कि सुरक्षा कोई विशेषाधिकार नहीं, बल्कि हर नागरिक का अधिकार है—और इसी में विकास का असली अर्थ छिपा है।

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

शर्मनाक! महिला से धुलवाई एम्बुलेंस, पति की उल्टी करवाई साफ

कटनी ■

मध्य प्रदेश के कटनी से मानवता को शर्मसार करने वाला वीडियो सामने आया है। यहां के जिला अस्पताल में एक तरफ जहां एक पति जिंदगी और मौत के बीच लड़ रहा था। वहीं, दूसरी तरफ उसकी पत्नी को अस्पताल के बाहर एम्बुलेंस धुलवाई गई। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो ने एक बार फिर स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए है। अस्पताल प्रबंधन वायरल वीडियो और मामले की जांच कर रहा है।

महिला को करना पड़ा अपमान का सामना, वीडियो वायरल

सडक हादसे में गंभीर रूप से घायल पति को बचाने की जद्दोजहद में लगी एक महिला को अपमान और मजबूरी का सामना करना पड़ा। उससे ही 108 एंबुलेंस की सफाई करवाई गई। अंदर उसका पति जिंदगी और मौत से जूझ रहा था, जबकि बाहर वह एंबुलेंस पर पानी डालकर उसे साफ कर रही थी। इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद स्वास्थ्य व्यवस्था और आपातकालीन सेवाओं की संवेदनहीनता पर सवाल खड़ा हो गया है।

महिला से जबरन साफ करवाई गई उलटी

मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार रात करेला बरही में रहने वाले एक 32 वर्षीय युवक की सडक दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें तत्काल 108 एंबुलेंस क्रमांक सीजी 04 एनवी 6385 के माध्यम से जिला अस्पताल लाया गया। रास्ते में घायल युवक की हालत बिगड़ती गई और उसे उल्टियां होने लगीं, जिससे एंबुलेंस गंदी हो गई। अस्पताल पहुंचते ही जहां एक ओर डॉक्टरों ने गंभीर हालत को देखते हुए इलाज शुरू किया, वहीं दूसरी ओर बाहर खड़ी उसकी पत्नी को एक अलग ही परीक्षा से गुजरना पड़ा। एंबुलेंस कर्मचारी ने महिला को ही वाहन की सफाई करने के लिए मजबूर किया। पति की गंभीर स्थिति और मानसिक तनाव के बीच महिला ने मजबूरी में एंबुलेंस पर पानी डालकर उसे साफ किया।

कर्मचारी के कहने पर किया- महिला

मामले का एक वीडियो भी वायरल हुआ है। इस वीडियो में महिला एम्बुलेंस पर पानी डालकर उसे धोती हुई नजर आ रही है। इसी वायरल वीडियो में महिला खुद कहती नजर आ रही है कि वह कर्मचारी के कहने पर ये काम कर रही है। बता दें कि, मरीज या मरीज के परिजनों से एम्बुलेंस धुलवाने वाला कोई पहला मामला नहीं है।

वीडियो की जांच करेंगे- अस्पताल प्रबंधन

मरीज के परिजन से एंबुलेंस वाहन साफ करवाने का मामला संज्ञान में आया है। वायरल वीडियो की जांच करवाई जा रही है और दोषियों पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

- डॉ. यशवंत वर्मा, सिविल सर्जन, जिला अस्पताल

हादसा: तेज रफ्तार कार ने बाइक को मारी टक्कर, एक की मौत

शहडोल ■

शहडोल के खैरहा थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ है। हरदी मेन रोड पर तेज रफ्तार कार ने बाइक को टक्कर मार दी। इस भीषण सड़क दुर्घटना में बाइक सवार एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई।

जानकारी के अनुसार, धमनी कला निवासी 52 वर्षीय रामरसीले सिंह अपने दो साथियों के साथ बाइक से एक शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। इसी दौरान हरदी मेन रोड पर सामने से आ रही तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि रामरसीले सिंह ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया, जबकि उनके साथ बाइक में सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

चालक के खिलाफ मामला दर्ज

घटना देख स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और तत्काल पुलिस को जानकारी दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया, जहां उनका इलाज जारी है। वहीं, पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त कार को जब्त कर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। दोनों वाहनों को पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है।पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा, जिसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। मामले में आगे की जांच जारी है। गौरतलब है कि जिले में लगातार बढ़ रहे सड़क हादसे चिंता का विषय बनते जा रहे हैं। बावजूद इसके, यातायात विभाग द्वारा सुरक्षा नियमों को लेकर केवल औपचारिकताएं निभाई जा रही हैं। खासकर बाइक चालकों के लिए हेलमेट को लेकर जागरूकता कागजों तक ही सीमित नजर आ रही है, जिसका खामियाजा आम लोगों को अपनी जान देकर चुकाना पड़ रहा है।

खेत से लौट रहे परिवार पर हाथी ने किया हमला, महिला की मौत, पति-पुत्र गंभीर घायल

अनूपपुर ■

मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिले के भोलगढ़ गांव में एक परिवार पर हाथी ने काल बनकर हमला कर दिया। रविवार दोपहर को परिवार के सदस्य खेत से काम कर लौट रहे थे तभी रास्ते में जंगली हाथी उनके पीछे पड़ गया। परिवार के लोग जान बचाने के लिए भागे लेकिन हाथी ने महिला को कुचल दिया जबकि पति व बेटे को उठाकर पटक दिया। हाथी के हमले में महिला की मौके पर ही मौत हो गई जबकि पति व 6 साल का बेटा गंभीर रुप से घायल हुए हैं जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जिला मुख्यालय से लगभग 8 किलोमीटर दूर भोलगढ़ निवासी समयलाल पाव का खेत चटुआ गांव के पास जंगल क्षेत्र में स्थित है। रविवार को परिवार के सदस्य खेत में काम करने के बाद दोपहर करीब 3 बजे जंगल के रास्ते वापस गांव लौट रहे थे। इसी दौरान पगडंडीनुमा रास्ते में बीते कई दिनों से विचरण कर रहे हाथी ने घर की ओर जा रहे ग्रामीणों को दौड़ाना शुरू कर दिया। हाथी को देखकर के सभी पांच लोग अपनी जान बचाकर के भागने लगे। तभी पीछे लगे हाथी ने 30 वर्षीय महिला प्रेमवती पाव को कुचल दिया, जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

पान की दुकान पर छिड़ा विवाद हुआ घातक, नशे में आरोपी ने कटर से किया, हमला छह लोग गंभीर घायल

सीहोर ■

सीहोर जिले के बुधनी में एक मामूली विवाद अचानक खूनी संघर्ष में बदल गया। बस स्टैंड के पास स्थित राकेश चौहान की पान-बेकरी दुकान पर शुरू हुआ झगड़ा देखते ही देखते हिंसा में तब्दील हो गया। मौके पर मौजूद लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला और आरोपी ने अचानक धारदार कटर निकालकर हमला बोल दिया। कुछ ही पलों में दुकान के आसपास अफरा-तफरी मच गई और लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी प्रतीक पालीवाल शराब के नशे में था। उसने फरियादी और उसके साथियों से कहासुनी के बाद आपा खो दिया। गुस्से में आकर उसने जानलेवा इरादे से धारदार कटर से ताबड़तोड़ वार किए। हमले की बर्बरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए और खून से लथपथ हालत में जमीन पर गिर पड़े। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस हरकत में आई। पुलिस अधीक्षक दीपक शुक्ला के निर्देश और एसडीओपी बुधनी रवि शर्मा के मार्गदर्शन में रेहटी पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए आरोपी प्रतीक पालीवाल को गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ हत्या के प्रयास सहित गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है।

ये हैं हमले में घायल लोग

घटना में घायल व्यक्तियों की पहचान हो गई है। अनिल पिता धूलुसिंह चौहान 25 वर्ष, निवासी रेहटी, राकेश पिता मूलसिंह चौहान 46 वर्ष, निवासी रेहटी,राजेश पिता मूलसिंह चौहान 50 वर्ष, निवासी रेहटी,अंकित पिता अनारसिंह चौहान 29 वर्ष, निवासी रेहटी,धर्मेंद्र पिता श्यामलाल चौहान, 45 वर्ष, निवासी रेहटी,वीरेंद्र पिता श्यामसिंह राजपूत, 30 वर्ष, निवासी डोलरिया, जिला नर्मदापुरम शामिल हैं। सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए भोपाल भेजा गया है, जहां उनका इलाज जारी है।

घायलों में मचा दर्द और दहशत का माहौल

हमले में घायल सभी लोगों को पहले स्थानीय स्तर पर उपचार दिया गया, लेकिन उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए भोपाल रेफर कर दिया गया। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है और लोग इस तरह की हिंसक वारदात से सहमे हुए हैं। एसडीओपी बुधनी रवि शर्मा ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि घटना के पीछे के हर पहलू की बारीकी से जांच की जा रही है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि आरोपी का कोई आपराधिक रिकॉर्ड रहा है या नहीं और क्या यह हमला पूर्व नियोजित था या अचानक गुस्से का परिणाम।

पति ने पत्नी के निजी फोटो-वीडियो वायरल किए

सागर। मध्यप्रदेश के सागर जिले के बीना के भानगढ़ थाना क्षेत्र के एक गांव में रहने वाली नवविवाहिता ने अपने पति पर गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पीड़िता का आरोप है कि पति ने उसके निजी पलों के फोटो और वीडियो मोबाइल से बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिए हैं। इतना ही नहीं नवविवाहित पीड़िता का ये भी आरोप है कि शादी के बाद से ही पति उसे 50 हजार रुपये नकद और बाइक की मांग पूरी न होने के कारण मारपीट कर प्रताड़ित कर रहा है। नवविवाहिता ने शिकायत दर्ज कराते हुए बताया है कि उसकी शादी एक साल पहले 30 अप्रैल 2025 को मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के अंतर्गत हुई थी।

मध्य प्रदेश के ग्वालियर में बागेश्वर धाम जा रही बस में अचानक लगी आग, खिड़कियों से कूदे यात्री

ग्वालियर ■

मध्य प्रदेश के ग्वालियर में रविवार सुबह एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। यहां बागेश्वर धाम की तरफ जा रही बस में अचानक आग लग गई। घटना के समय बस में कई यात्री सवार थे। आग के विशाल लपटें बस की खिड़कियों से निकल रही थी। बीच सड़क पर हुई इस घटना को देखने के लिए लोगों की भीड़ जमा हो गई। यात्रियों ने खिड़कियों से कूदकर अपनी जान बचाई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

यह घटना सुबह 6:10 बजे पर घटी। शहर के झांसी रोड थाना क्षेत्र के सामने जयपुर से बागेश्वर धाम की तरफ जा रही एक यात्री बस में अचानक आग लग गई। बताया जा रहा है कि बस में उस समय कई यात्री सवार थे। जैसे ही बस से धुआं और आग की लपटें उठीं, मौके पर अफरा-तफरी मच गई। चालक और स्थानीय लोगों की सतर्कता से यात्रियों को तुरंत बस से बाहर निकाला गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि, कुछ यात्रियों ने खिड़कियों से कूदकर अपनी जान बचाई।

दमकल को दी सूचना

स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना फायर ब्रिगेड को दी। सूचना मिलते ही दमकल विभाग मौके पर पहुंचा और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट या तकनीकी खराबी बताया जा रहा है, हालांकि पुलिस और प्रशासन मामले की जांच में जुटे हैं। मिली जानकारी के मुताबिक, शनिवार रात बस जयपुर से बागेश्वर धाम के लिए निकली थी। रविवार सुबह बस ग्वालियर पहुंची जहां चंद्रवानी नाका के पास कुछ लोग उतर गए। इसे नाके से जब गाड़ी थोड़ा आगे बढ़ी अचानक बस से धुआं उठने लगा और देखते ही देखते उसमे आग लग गई। यात्रियों के अनुसार, आग लगने के कुछ मिनट पहले ही उन्हें जलने की बदबू और धुआं महसूस होने लगा था। इससे पहले की यात्री कुछ भी समझ पाते आग ने बस को अपनी चपेट में ले लिया था।

महिला ने बेटे और उसके दोस्त से होटल में रिसेप्शनिस्ट से ज्यादती करवाई

भोपाल। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक महिला ने अपने बेटे और उसके दोस्त से एक होटल की रिसेप्शनिस्ट का होटल के कमरे में ही दुष्कर्म कराया। इतना ही नहीं आरोपी महिला ने पीड़िता को धमकाया भी। महिला व उसका बेटा और दोस्त तीनों मिलकर पीड़िता को किडनैप कर अपने साथ ले गए। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी महिला उसके बेटे व दोस्त को गिरफ्तार कर पीड़िता को उनके चंगुल से छुड़ा लिया है। भोपाल के कोलार इलाके में स्थित एक होटल की 23 वर्षीय रिसेप्शनिस्ट का होटल की ही पूर्व रिसेप्शनिस्ट ने रेप करा दिया।

बारात में घुसा ट्रैक्टर, जान बचाने बग्गी से कूदा दूल्हा, मची भगदड़

गुना ■

मध्य प्रदेश के गुना में शादी समारोह के दौरान बिन बुलाए मेहमान ने ऐसी एंट्री मारी की चारों तरफ अफरा-तफरी मच गई। यहीं नहीं, दूल्हे को जान बचाने के लिए बग्गी से कूदना पड़ा। दरअसल, जिले के म्याना कस्बे में शनिवार रात एक शादी समारोह उस वक्त दहशत में बदल गया, जब एक ट्रैक्टर चालक ने मामूली विवाद के बाद बारातियों पर ट्रैक्टर चढ़ाने की कोशिश की।

इस खौफनाक घटना में बग्गी पर सवार दूल्हे भूपेंद्र धाकड़ ने कूदकर अपनी जान बचाई, जबकि अन्य बारातियों में जान बचाने के लिए भगदड़ मच गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इस घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जानकारी के अनुसार, रात करीब 11 बजे ग्राम चतराई से धाकड़ समाज की बारात म्याना आई थी। बारात के गाजे-बाजे में बाराती नाचते-गाते सदर बाजार से म्याना चौराहे की ओर बढ़ रहे थे। तभी म्याना निवासी अंकित भदौरिया अपना अर्जुन महिंद्रा ट्रैक्टर लेकर वहां पहुंचा। बारातियों की भीड़ के कारण ट्रैक्टर को निकलने का रास्ता नहीं मिला। कुछ देर इंतजार के बाद चालक अंकित भदौरिया कथित तौर पर आपा खो बैठा और बारातियों से अभद्रता करने लगा। विवाद बढ़ने पर गुस्से में आकर चालक ने अपना ट्रैक्टर सीधे भीड़ की ओर दौड़ा दिया।

आज के दौर में भारत-दक्षिण कोरिया रिलेशन्स...

भारत और दक्षिण कोरिया के संबंध आज के वैश्विक दौर में नई अहमियत प्राप्त कर रहे हैं। दोनों देश लोकतांत्रिक मूल्यों, आर्थिक विकास, तकनीकी प्रगति और क्षेत्रीय शांति के समर्थक हैं। एशिया के बदलते शक्ति संतुलन, चीन की बढ़ती आक्रामकता, आपूर्ति श्रृंखला संकट, यूक्रेन युद्ध, मध्य पूर्व तनाव और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धा ने भारत तथा दक्षिण कोरिया को एक-दूसरे के और करीब आने का अवसर दिया है। दोनों देशों के बीच वर्षों से मित्रतापूर्ण संबंध रहे हैं, लेकिन अब समय की मांग है कि इन्हें नई ऊर्जा, नई दिशा और व्यावहारिक सहयोग के साथ आगे बढ़ाया जाए।

डॉ. प्रियंका सौरभ
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

भारत और दक्षिण कोरिया के संबंध केवल आधुनिक कूटनीति तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इनके सांस्कृतिक और ऐतिहासिक आधार भी मजबूत हैं। प्राचीन समय से दोनों देशों के बीच सभ्यतागत संपर्क की चर्चा मिलती है। कोरिया में अयोध्या की राजकुमारी सुरिरत्ना, जिन्हें वहां रानी ह्वो ह्वांग-ओक के रूप में जाना जाता है, का उल्लेख दोनों देशों को सांस्कृतिक रूप से जोड़ता है। यह संबंध आज भी लोगों के बीच भावनात्मक जुड़ाव का आधार है। इसी कारण दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान, पर्यटन और जनसंपर्क की संभावनाएँ बहुत अधिक हैं। राजनयिक स्तर पर भारत और दक्षिण कोरिया ने वर्ष 1973 में औपचारिक संबंध स्थापित किए थे। उसके बाद से दोनों देशों के रिश्तों में लगातार प्रगति हुई है। वर्ष 2010 में संबंधों को रणनीतिक साझेदारी का दर्जा दिया गया और बाद में इसे विशेष रणनीतिक साझेदारी में बदल दिया गया। इससे स्पष्ट होता है कि दोनों देश एक-दूसरे को दीर्घकालिक सहयोगी के रूप में देखते हैं। उच्च स्तरीय यात्राएँ, विदेश मंत्री स्तर की बैठकें, व्यापारिक संवाद और रक्षा वार्ताएँ इन संबंधों को लगातार मजबूत कर रही हैं। आर्थिक क्षेत्र में दक्षिण कोरिया भारत के लिए एक महत्त्वपूर्ण साझेदार है। दक्षिण कोरिया तकनीकी रूप से उन्नत, औद्योगिक रूप से मजबूत और निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था वाला देश है, जबकि भारत विशाल बाजार, युवा जनसंख्या और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में दुनिया का ध्यान आकर्षित कर रहा है। यही कारण है कि दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश की व्यापक संभावनाएँ मौजूद हैं। द्विपक्षीय व्यापार हाल के वर्षों में बढ़ा है और लगभग 27 अरब डॉलर तक पहुँच चुका है। हालांकि यह क्षमता की तुलना में अभी भी कम है। भारत का दक्षिण कोरिया के साथ व्यापार घाटा भी चिंता का विषय बना हुआ है। दक्षिण कोरिया की प्रमुख कंपनियाँ भारत में लंबे समय से निवेश कर रही हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, मोबाइल निर्माण, स्टील, शिपबिल्डिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों में कोरियाई कंपनियों की मजबूत उपस्थिति है। भारत में विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए दक्षिण कोरिया का निवेश अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो सकता है। मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और ग्रीन एनर्जी जैसे अभियानों में कोरियाई तकनीक तथा पूंजी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इसके बावजूद कुछ चुनौतियाँ भी हैं। वर्ष 2010 में व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता यानी सीईपीए लागू किया गया था, जिसका उद्देश्य व्यापार को गति देना था। लेकिन अपेक्षित परिणाम पूरी तरह सामने नहीं आए। गैर-टैरिफ बाधाएँ, गुणवत्ता मानकों से जुड़े नियम, जटिल नियामक प्रक्रियाएँ, लॉजिस्टिक समस्याएँ और बाजार पहुँच की कठिनाइयाँ व्यापार वृद्धि में रुकावट बनती रही हैं। भारत को अपने निर्यात में विविधता लानी होगी, जबकि दक्षिण कोरिया को भारतीय उत्पादों और सेवाओं के लिए अधिक अवसर उपलब्ध कराने होंगे। आज वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में बड़े बदलाव हो रहे हैं। कंपनियाँ केवल चीन पर निर्भरता कम करना चाहती हैं और नए उत्पादन केंद्र खोज रही हैं। यह स्थिति भारत और दक्षिण कोरिया दोनों के लिए अवसर लेकर आई है। दक्षिण कोरियाई कंपनियाँ यदि भारत में बड़े पैमाने पर उत्पादन केंद्र स्थापित करती हैं, तो उन्हें विशाल बाजार, सस्ती श्रमशक्ति और रणनीतिक स्थिति का लाभ मिलेगा। वहीं भारत को तकनीक, रोजगार और निर्यात क्षमता में वृद्धि प्राप्त होगी। इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर, बैटरी निर्माण, ऑटोमोबाइल, रक्षा उत्पादन और जहाज निर्माण ऐसे क्षेत्र हैं जहाँ सहयोग तेजी से बढ़ सकता है। रणनीतिक दृष्टि से भी दोनों देशों का सहयोग अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। भारत इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में स्वतंत्र, खुला और समावेशी व्यवस्था का समर्थन करता है। दक्षिण कोरिया भी क्षेत्रीय स्थिरता और समुद्री सुरक्षा का समर्थक है। चीन की आक्रामक नीतियाँ, समुद्री मार्गों पर दबाव और क्षेत्रीय तनाव ने कई देशों को नए साझेदार खोजने पर मजबूर किया है। भारत और दक्षिण कोरिया इस संदर्भ में स्वाभाविक सहयोगी बन सकते हैं। हालाँकि दक्षिण कोरिया की सुरक्षा प्राथमिकताएँ कुछ अलग हैं। उसका प्रमुख ध्यान उत्तर कोरिया के परमाणु खतरे और अमेरिका के साथ सैन्य गठबंधन पर केंद्रित रहता है। दूसरी ओर भारत की चिंताएँ चीन, हिंद महासागर, सीमा सुरक्षा और क्षेत्रीय संतुलन से जुड़ी हैं। फिर भी दोनों देशों के हित कई क्षेत्रों में समान हैं। रक्षा उद्योग सहयोग, साइबर सुरक्षा, समुद्री निगरानी, आतंकवाद विरोधी प्रयास और नई सैन्य तकनीकों में संयुक्त कार्य किया जा सकता है। रक्षा क्षेत्र में दक्षिण कोरिया ने विश्व स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बनाई है। उसके पास आधुनिक रक्षा उत्पादन क्षमता है। भारत यदि संयुक्त उत्पादन, तकनीकी हस्तांतरण और अनुसंधान सहयोग पर जोर दे, तो दोनों देशों को लाभ हो सकता है। भारत की आत्मनिर्भर रक्षा नीति और दक्षिण कोरिया की तकनीकी क्षमता मिलकर नई संभावनाएँ पैदा कर सकती हैं। तकनीक आज अंतरराष्ट्रीय संबंधों का सबसे महत्त्वपूर्ण आधार बन चुकी है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, 5जी, 6जी, सेमीकंडक्टर, रोबोटिक्स, हरित ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन और डिजिटल नवाचार भविष्य की अर्थव्यवस्था तय करेंगे। दक्षिण कोरिया इन क्षेत्रों में अग्रणी देशों में शामिल है, जबकि भारत डिजिटल प्रतिभा, सॉफ्टवेयर क्षमता और स्टार्टअप इकोसिस्टम के कारण तेजी से आगे बढ़ रहा है। यदि दोनों देश डिजिटल ब्रिज बनाकर साथ काम करें, तो एशिया में तकनीकी नेतृत्व का नया मॉडल सामने आ सकता है। शिक्षा और मानव संसाधन सहयोग भी संबंधों को मजबूत कर सकता है। भारतीय छात्र दक्षिण कोरिया में उच्च शिक्षा, अनुसंधान और तकनीकी प्रशिक्षण के अवसर प्राप्त कर सकते हैं। वहीं कोरियाई छात्र भारत की संस्कृति, इतिहास, योग, आयुर्वेद, सूचना प्रौद्योगिकी और प्रबंधन शिक्षा से लाभ उठा सकते हैं। विश्वविद्यालयों के बीच साझेदारी, छात्रवृत्तियाँ और संयुक्त शोध कार्यक्रम भविष्य में मजबूत आधार बन सकते हैं। सांस्कृतिक स्तर पर दोनों देशों के बीच लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है। भारत में कोरियाई संगीत, फिल्मों और टीवी कार्यक्रमों की लोकप्रियता बढ़ी है। वहीं दक्षिण कोरिया में भारतीय योग, भोजन, नृत्य और आध्यात्मिक परंपराओं के प्रति रुचि देखी जा रही है। यह सांस्कृतिक जुड़ाव केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि लोगों के बीच विश्वास और समझ को बढ़ाने का माध्यम है। पर्यटन, सांस्कृतिक उत्सव, भाषा शिक्षा और मीडिया सहयोग से यह रिश्ता और गहरा हो सकता है। भविष्य की दृष्टि से भारत और दक्षिण कोरिया को केवल औपचारिक बैठकों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। व्यापार लक्ष्य स्पष्ट हों, निवेश प्रक्रियाएँ सरल हों, नई तकनीकों पर संयुक्त मिशन बनें, रक्षा उद्योग सहयोग बढ़े और युवाओं के बीच सीधा संपर्क मजबूत किया जाए। 2030 तक व्यापार को 50 अरब डॉलर से अधिक ले जाने का लक्ष्य व्यावहारिक रूप से संभव है, यदि राजनीतिक इच्छाशक्ति और नीतिगत स्पष्टता दिखाई जाए। भारत के लिए दक्षिण कोरिया केवल एक व्यापारिक साझेदार नहीं, बल्कि तकनीकी और रणनीतिक सहयोगी है। वहीं दक्षिण कोरिया के लिए भारत एक विशाल बाजार, विश्वसनीय लोकतांत्रिक मित्र और भविष्य की आर्थिक शक्ति है। बदलती विश्व व्यवस्था में ऐसे साझेदारों का महत्व और बढ़ जाता है। निष्कर्ष रूप में कहा जा सकता है कि भारत-दक्षिण कोरिया संबंध आज के दौर में नई संभावनाओं के मोड़ पर खड़े हैं। यदि दोनों देश व्यावहारिक सहयोग, पारस्परिक विश्वास और दीर्घकालिक दृष्टि के साथ आगे बढ़ते हैं, तो यह साझेदारी केवल द्विपक्षीय संबंधों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि एशिया और विश्व में स्थिरता, समृद्धि और संतुलन की नई मिसाल बन सकती है।

(नोट: इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

सम्पादकीय

पेट्रोल-डीजल की जगह अब एथेनॉल

खाड़ी युद्ध के कारण भारत में तेल की सप्लाई पर गंभीर असर पड़ा है। हॉर्मुज जलडमरूमध्य से भारत का एक भी टैंकर बाहर निकल जाए तो सरकार राहत महसूस करती है। सरकार को चिंता इस बात की थी कि पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के चुनावों के दौरान यदि तेल के दाम बढ़ते, तो पेट्रोल-डीजल महंगे हो जाते। हालांकि फिलहाल खाड़ी युद्ध के समाधान के कोई संकेत नजर नहीं आ रहे हैं।

अनिकेत सिंह
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

इसी वजह से दुनिया के कई देशों में पेट्रोल, डीजल और गैस की कमी शुरू हो गई है। भारत भी इससे अछूता नहीं रहा। भारत पेट्रोल-डीजल की कमी से निकलने का विकल्प खोज रहा था और अब उसने नया रास्ता ढूंढ लिया है। सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने बड़ा संकेत दिया है। उन्होंने कहा कि भारत को 100 प्रतिशत एथेनॉल ब्लेंडिंग की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। इससे बजट नियंत्रित होगा और देश के ऊर्जा क्षेत्र को मजबूती मिलेगी। वर्तमान में भारत अपनी जरूरत का लगभग 87 प्रतिशत तेल विदेशों से आयात करता है। इसके कारण देश पर आर्थिक बोझ बढ़ता है। हर साल लगभग 22 लाख करोड़ रुपए पेट्रोल और डीजल के आयात पर खर्च होते हैं। यदि एथेनॉल जैसे ईंधन का उपयोग बढ़ेगा तो यह खर्च कम हो सकता है और प्रदूषण भी घटेगा। पेट्रोल या डीजल जैसे पारंपरिक ईंधनों में एथेनॉल को एक निश्चित मात्रा में मिलाने की प्रक्रिया को एथेनॉल ब्लेंडिंग कहा जाता है। एथेनॉल एक प्रकार का अल्कोहल है। यह मुख्य रूप से गन्ने का रस, शीरा (मोलासिस), मक्का, सड़े हुए आलू और खराब हो चुके चावल या गेहूं से बनाया जाता है। खास बात यह है कि यह एक नवीकरणीय ईंधन है। सरकार पहले ही ई20 पेट्रोल यानी 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रित ईंधन शुरू कर चुकी है। इसकी शुरूआत 2023 से हुई थी। अब कई गाड़ियों में छोटे बदलावों के साथ इसका उपयोग शुरू हो चुका है। इससे इंजन की उम्र भी बढ़ती है। नितिन गडकरी ने उदाहरण देते हुए कहा कि ब्राजील जैसे देश 100 प्रतिशत एथेनॉल का उपयोग कर रहे हैं। भारत भी उस दिशा में आगे बढ़ सकता है। इसके लिए फ्लेक्स-फ्यूल इंजन वाले वाहनों को बढ़ावा देना जरूरी है। 100 प्रतिशत एथेनॉल ब्लेंडिंग यानी 100 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण लगभग शुद्ध हाइड्रस एथेनॉल से बना ईंधन है। इसका उपयोग सामान्य पेट्रोल इंजन के बजाय विशेष फ्लेक्स-फ्यूल व्हीकल में किया जाता है। यह टिकाऊ ईंधन पेट्रोल का स्वच्छ और हाई-ऑक्टेन विकल्प है। इसका उद्देश्य उत्सर्जन घटाना और ऊर्जा आत्मनिर्भरता बढ़ाना है। यदि 100 प्रतिशत एथेनॉल ब्लेंडिंग लागू होती है तो वाहन चलाने के लिए पेट्रोल पर निर्भरता खत्म हो जाएगी। इससे भारत के कच्चे तेल के आयात में कमी आएगी। शुद्ध एथेनॉल जलने पर कार्बन और जहरीली गैसों का उत्सर्जन बहुत कम होता है। इसलिए प्रदूषण कम करने में भी यह बड़ी भूमिका निभा सकता है। एथेनॉल कृषि उत्पादों से बनाया जाता है, इसलिए इसका उपयोग बढ़ने से किसानों (गन्ना, मक्का, चावल उगाने वाले) और उत्पादन करने वाली फैक्ट्रियों को भी लाभ होगा। शुद्ध पेट्रोल की तुलना में एथेनॉल का उत्पादन खर्च सामान्यतः कम होता है। 100 प्रतिशत एथेनॉल ईंधन पेट्रोल की तुलना में काफी सस्ता हो सकता है। भारत में इसकी कीमत 60 से 70 रुपए प्रति लीटर के आसपास रहने का अनुमान है। फिलहाल भारत में पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिलाया जा रहा है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इससे भारत के आयात बिल में भारी कमी आएगी और तेल के मामले में देश आत्मनिर्भर बन सकेगा। तेल सप्लाई पूरी तरह बंद होने के बजाय जारी रही, इसलिए सरकार ने पेट्रोल-डीजल के दामों में बहुत बड़ा इजाफा नहीं किया।

भारतीय ज्ञान-संपदा और वैश्विक नवाचार के बीच संवाद

ललित गर्ग | लेखक

ग्लोबल हेराल्ड

प्रतिवर्ष 26 अप्रैल को मनाया जाने वाला विश्व बौद्धिक संपदा दिवस केवल किसी कानूनी अधिकार की औपचारिक स्मृति नहीं है, बल्कि यह मानव मस्तिष्क की उस सृजनशील शक्ति का उत्सव है जिसने सभ्यता को अंधकार से प्रकाश की ओर अग्रसर किया। इस वर्ष का विषय खेल और बौद्धिक संपदा को जोड़ते हुए यह संदेश देता है कि सृजन, परिश्रम और संरक्षण-ये तीनों मिलकर विकास की नई दिशा निर्मित करते हैं। आज जब संसार कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जैव-प्रौद्योगिकी, डिजिटल माध्यम और अंतरिक्ष अनुसंधान के युग में प्रवेश कर चुका है, तब बौद्धिक संपदा का महत्व और अधिक बढ़ गया है। किसी राष्ट्र की शक्ति अब केवल उसकी भौतिक संपदा से नहीं, बल्कि उसकी वैचारिक क्षमता, अनुसंधान परंपरा और ज्ञान के संरक्षण से भी मापी जाने लगी है। बौद्धिक संपदा का अर्थ है मनुष्य के मस्तिष्क से उत्पन्न वह मौलिक रचना जो समाज को नया विचार, नया उपकरण, नई कला, नई तकनीक या नई दिशा प्रदान करे। साहित्य, संगीत, वैज्ञानिक खोज, औषधि, तकनीकी आविष्कार, औद्योगिक रचना और विशिष्ट परंपरागत ज्ञान-ये सब बौद्धिक संपदा के अंतर्गत आते हैं। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी सर्जक की रचना का अनुचित उपयोग न हो और उसके श्रम को उचित सम्मान तथा संरक्षण मिले। यह संरक्षण केवल व्यक्ति के लिए नहीं, बल्कि राष्ट्र के आत्मविश्वास और आर्थिक प्रगति के लिए भी आवश्यक है।

यदि विश्व के परिप्रेक्ष्य में देखा जाए तो पश्चिमी देशों ने आधुनिक बौद्धिक संपदा व्यवस्था को संगठित रूप प्रदान किया। यूरोप और अमेरिका ने पेटेंट, प्रतिलिप्यधिकार और व्यापार चिह्नों के माध्यम से नवाचार को उद्योग से जोड़ा। वहां विश्वविद्यालय, उद्योग और सरकार के बीच समन्वय ने ज्ञान को आर्थिक शक्ति में परिवर्तित किया। औद्योगिक क्रांति से लेकर डिजिटल क्रांति तक अनेक आविष्कारों ने विश्व की दिशा बदली। कंप्यूटर, इंटरनेट, जैव चिकित्सा और संचार क्रांति का आधार भी इसी संरक्षित बौद्धिक संपदा प्रणाली में निहित रहा। इन देशों ने यह समझ लिया कि भविष्य की समृद्धि केवल भूमि और खनिजों में नहीं, बल्कि विचारों की मौलिकता में छिपी है। किन्तु भारत की बौद्धिक परंपरा इससे कहीं अधिक प्राचीन और गहरी रही है। भारत ने संसार को केवल वस्तुएँ नहीं दीं, बल्कि जीवन-दृष्टि दी है। जब अनेक सभ्यताएँ अस्तित्व की खोज में थीं, तब भारत वेद, उपनिषद, आयुर्वेद, योग, गणित, ज्योतिष, दर्शन और व्याकरण के माध्यम से ज्ञान के उच्च शिखर पर खड़ा था। शून्य का सिद्धांत, दशमलव पद्धति, धातु विज्ञान, शल्य चिकित्सा, योग-साधना और प्रकृति के साथ संतुलित जीवन की अवधारणा भारतीय मनीषा की देन हैं। आर्यभट्ट, चरक, सुश्रुत, पाणिनि और पतंजलि जैसे महापुरुषों ने ऐसे ज्ञान-स्रोत दिए जिनसे विश्व आज भी प्रेरणा लेता है।

यह भारतीय बौद्धिक संपदा का वह स्वरूप है जो किसी दस्तावेज में पंजीकृत नहीं था, फिर भी मानवता की चेतना में अंकित रहा। विश्व की आधुनिक बौद्धिक संपदा मुख्यतः व्यक्तिगत स्वामित्व पर आधारित है, जबकि भारतीय ज्ञान परंपरा सामूहिक कल्याण पर आधारित रही है। भारत में ज्ञान को व्यापार नहीं, साधना माना गया। यहां ऋषियों ने अपने अनुभवों को मानवता के लिए मुक्त रखा। सर्वे भवन्तु सुखिनः की भावना में ज्ञान का उद्देश्य निजी लाभ नहीं, लोकमंगल था। यही कारण है कि भारतीय बौद्धिक संपदा का स्वरूप नैतिकता और आध्यात्मिकता से जुड़ा रहा। पश्चिम ने ज्ञान को संरक्षित कर समृद्धि अर्जित की, जबकि भारत ने ज्ञान को साझा कर संस्कृति अर्जित की। आज आवश्यकता इस बात की है कि भारत अपनी इस प्राचीन परंपरा को आधुनिक संरक्षण व्यवस्था से जोड़े ताकि उसका पारंपरिक ज्ञान वैश्विक बाजार में शोषण का शिकार न हो। हल्दी, नीम और बासमती जैसे उदाहरण इस संदर्भ में अत्यंत महत्त्वपूर्ण हैं। कभी विदेशी संस्थानों ने भारतीय पारंपरिक ज्ञान पर अधिकार स्थापित करने का प्रयास किया, किंतु भारत ने प्रमाण देकर सिद्ध किया कि यह ज्ञान उसकी सांस्कृतिक धरोहर है। इसके बाद भारत ने पारंपरिक ज्ञान डिजिटल पुस्तकालय जैसी पहल कर यह दिखाया कि अपनी बौद्धिक विरासत को सुरक्षित रखने के लिए आधुनिक साधनों का उपयोग कितना आवश्यक है। यह केवल अधिकार की रक्षा नहीं थी, बल्कि अपनी सभ्यता के सम्मान की रक्षा भी थी। आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में बौद्धिक संपदा का प्रश्न और जटिल हो गया है। मशीनें चित्र बना रही हैं, लेख लिख रही हैं, संगीत रच रही हैं और निर्णय प्रक्रिया में भाग ले रही हैं। ऐसे समय में यह प्रश्न उठ रहा है कि सर्जक कौन है-मनुष्य या मशीन? यदि किसी कृत्रिम प्रणाली ने कोई नई खोज की तो उसका अधिकार किसे मिलेगा? यह चुनौती केवल कानून की नहीं, बल्कि दर्शन की भी है। भारत जैसे देश के लिए यह अवसर भी है क्योंकि यहां मानव-केंद्रित ज्ञान परंपरा है। भारत आधुनिक तकनीक को मानवीय मूल्यों से जोड़कर बौद्धिक संपदा की नई दिशा दे सकता है। भारत आज नवाचार की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। युवा उद्यमिता, अंतरिक्ष विज्ञान, औषधि निर्माण, डिजिटल भुगतान प्रणाली और ग्रामीण तकनीक के क्षेत्रों में भारत ने विश्व को चकित किया है। चंद्रयान और गगनयान जैसे अभियानों ने यह सिद्ध किया है कि सीमित संसाधनों में भी मौलिक बुद्धि चमत्कार कर सकती है। भारतीय औषधि उद्योग ने वैश्विक स्वास्थ्य संकट के समय सस्ती दवाओं और टीकों के माध्यम से विश्व का विश्वास जीता। यह केवल आर्थिक उपलब्धि नहीं, बल्कि भारतीय बौद्धिक क्षमता का वैश्विक प्रमाण है। फिर भी भारत को अभी लंबा मार्ग तय करना है। विश्व के विकसित देशों की तुलना में अनुसंधान निवेश, पेटेंट आवेदन, विश्वविद्यालय-उद्योग सहयोग और कानूनी जागरूकता के क्षेत्र में भारत को और सशक्त होना होगा। हमारे यहां प्रतिभा की कमी नहीं, किंतु संरक्षण और प्रोत्साहन की व्यवस्था अभी पूर्ण नहीं है। अनेक युवा अपने विचारों को सुरक्षित कराने की प्रक्रिया से परिचित नहीं हैं। यदि शिक्षा व्यवस्था में आरंभ से ही सृजन और बौद्धिक अधिकारों की समझ विकसित की जाए तो भारत विश्व का अग्रणी ज्ञान-राष्ट्र बन सकता है। विश्व बौद्धिक संपदा दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि भविष्य उन्हीं का होगा जो विचारों का सम्मान करेंगे। जिस राष्ट्र ने अपनी बौद्धिक संपदा की रक्षा की, वही दीर्घकालीन विकास की दिशा में अग्रसर हुआ। भारत के पास प्राचीन ज्ञान की गहराई है और आधुनिक नवाचार की संभावना भी। आवश्यकता केवल इस बात की है कि हम अपनी परंपरा को आधुनिक संरचना से जोड़ें। भारत की बौद्धिक संपदा केवल पेटेंट या अधिकार का विषय नहीं है, वह हमारी सभ्यता की आत्मा है। यदि उसे सही रूप में पहचाना और संरक्षित किया जाए तो भारत केवल विश्व बाजार में नहीं, बल्कि विश्व चेतना में भी अपना विशिष्ट स्थान पुनः प्राप्त कर सकता है। आज का यह दिवस हमें यही संदेश देता है कि भौतिक युग में भी सबसे बड़ी शक्ति मनुष्य की बुद्धि है, और उस बुद्धि की सबसे बड़ी सुरक्षा बौद्धिक संपदा है। भारत जब अपनी ज्ञान-परंपरा और आधुनिक नवाचार को एक साथ लेकर चलेगा, तब वह केवल विश्व से प्रतिस्पर्धा नहीं करेगा, बल्कि विश्व को दिशा भी देगा।

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

भारतीय राजनीति के बदलते समीकरण...

आम आदमी पार्टी (आप) के सांसदों के इस्तीफे और उनके भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने से लोटस अभियान को एक बार फिर चर्चा में ला दिया है। विशेष रूप से पंजाब, जहां आप की सरकार है, पंजाब की राजनीति के लिये यह बहुत बड़ा परिवर्तन है। पंजाब में भाजपा लंबे समय से अपनी जमीन मजबूत करने की कोशिश कर रही है। शिरोमणि अकाली दल के साथ मिलकर भाजपा 5 दशक से अपना झंडा गाड़ना चाहती थी, लेकिन वह आज तक सफल नहीं हो पाई। पंजाब में शिरोमणि अकाली दल, इंडियन नेशनल कांग्रेस और आप आदमी पार्टी की पैठ हैं। कांग्रेस में पिछले दशक में काफी तोड़-फोड़ हुई है। अब आप नेताओं में दल-बदल शुरू हुआ है। पंजाब में आम आदमी पार्टी के 7 सांसदों का इस्तीफा इस बात का संकेत है। आने वाले समय में पंजाब की राजनीति में बड़े राजनीतिक बदलाव होने जा रहे हैं। पंजाब सरकार इस संकट में गिर भी सकती है। अरविन्द केजरीवाल की नजर पंजाब के बाद गुजरात पर बनी हुई है। अगले वर्ष पंजाब और गुजरात में चुनाव होना है। गुजरात में केजरीवाल सीधे प्रधानमंत्री मोदी को चुनौती दे रहे हैं। भाजपा इसे चुनौती मानकर आम आदमी पार्टी को पंजाब में उलझाकर गुजरात में केजरीवाल और आप को रोकना चाहती है। वहीं पंजाब में भाजपा कब्जा करना चाहती है। ताकि वह अन्य राज्यों में आम आदमी पार्टी और इंडिया गठबंधन के विस्तार को रोक सके। भाजपा ने यह राजनीतिक सक्रियता ऐसे समय में बढ़ाई है, जब बंगाल और तमिलनाडु सहित कई राज्यों में चुनावी प्रक्रिया जारी है। उनके परिणाम जल्द आने वाले हैं। भाजपा ने नारी वंदन अधिनियम के तहत महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण के नाम पर महिलाओं को लुभाने की राजनीति शुरू कर दी है। प. बंगाल और तमिलनाडु के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने इसे मुख्य चुनावी मुद्दा बनाकर प्रचारित किया है। पंजाब भी उसी क्रम में शामिल है। भाजपा महिलाओं को आगे करके आक्रामक राजनीति शुरू कर दी है। ऐसे समय पर लोटस अभियान को संचालित करना अगली चुनावी रणनीति का हिस्सा है। विश्लेषकों का मानना है, सांसदों के इस्तीफे और महिला आरक्षण जैसे मुद्दों को जोड़कर भाजपा 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव एवं 2029 के लोकसभा चुनाव की तैयारी में भाजपा जुट गई है। विपक्षी दलों और इंडिया अलायंस में शामिल विपक्षी दलों के बढ़ते आक्रामक रुख के बीच भाजपा अपने प्रभुत्व को बनाए रखने, विपक्षी दलों में फूट डालने के लिए हर संभव रणनीति को अपना रही है।

सनत जैन
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

साल 2027 में सात राज्यों के विधानसभा चुनाव हैं। 2029 के लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए पार्टी अभी से संगठनात्मक और राजनीतिक स्तर पर अपनी पकड़ मजबूत करने लोटस अभियान एवं जांच एजेंसियों के माध्यम से खुद को उन राज्यों में मजबूत करना चाहती है, जहां उसका प्रभाव ना के बराबर है। एक बड़ा प्रश्न है कि क्या इस तरह की रणनीतियां लोकतांत्रिक मूल्यों और संस्थाओं की निष्पक्षता और राजनीति में विपरीत असर नहीं डालती हैं? विपक्ष आरोप लगाता रहा है, संवैधानिक संस्थाएं सरकार के प्रभाव में काम कर रही हैं। भाजपा इन आरोपों को खारिज करती है। लोटस अभियान के कारण भाजपा की साख में निरंतर गिरावट देखने को मिल रही है। वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में भारत की राजनीति में लोटस अभियान अब लगातार चलने वाली प्रक्रिया बन चुकी है। पिछले 12 वर्षों में जितने भी दल बदल हुए हैं, उसमें दल-बदल करने वाले सभी राजनैतिक दलों के नेता भाजपा में गए हैं। लोटस अभियान की तहत से कई सरकारें गिराई गई हैं। पिछले 15 वर्षों में जिस बड़े पैमाने पर दल-बदल का लाभ भाजपा को मिला है, इसके पहले यह स्थिति भारतीय राजनीति में कभी देखने को नहीं मिली थी। पिछले 12 वर्षों में एक चुनाव खत्म होते ही भाजपा अगले चुनाव की तैयारी शुरू कर देती है। भारतीय जनता पार्टी 2047 तक सत्ता में बने रहने की रणनीति पर काम कर रही है। नारी वंदन अधिनियम को इसी से जोड़कर देखा जा रहा है। जिन राज्यों में भाजपा का कोई प्रभाव नहीं है। उन राज्यों में येन-केन-प्रकारेण भाजपा 2029 के पहले सत्ता में आना चाहती है। लोकसभा चुनाव में 400 सीट लाने का जो लक्ष्य भाजपा 2024 के लोकसभा चुनाव में पूरा नहीं कर पाई वह 2029 में भाजपा पूरा करना चाहती है। विपक्ष और भाजपा इस समय बहुत आक्रामक है। भाजपा के लिए अभी जो अनुकूलता है। सारी संवैधानिक संस्थाओं में भाजपा और सरकार की मजबूत पकड़ है। इससे ज्यादा अनुकूलता भविष्य में नहीं मिल सकती है। इस अवसर का लाभ भाजपा हर हालत में उठाना चाहती है। सत्ता पक्ष और विपक्ष के पास अपने अस्तित्व को बचाए रखने के लिये करो या मरो के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। जिसके कारण भारत की राजनीति महाभारत के युद्ध की तरह हो गई है। जिसमें योद्धाओं का एक ही लक्ष्य है। किसी भी तरह जीत हासिल करो। प्रेम और युद्ध में सब जायज है। जो जीतेगा वही सिकंदर बनेगा।

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

भावना भी समझें...

एक आदमी बस में रोजाना ही यात्रा करता था। वह बस में केले खाता और छिलके को खिड़की से फेंक देता। एक दिन एक भाई ने कहा, भाई! सड़क पर छिलके डालना उचित नहीं है। दूसरे फिसलकर गिर पड़ते हैं। छिलकों को एक ओर डालना चाहिए। उसने कहा, अच्छी बात है। दूसरे दिन की बात है। पूर्व दिन वाले दोनों यात्री एक ही बस में बैठे हुए थे। एक ने केले छीले, खाए और छिलके डाल दिए।

सड़क पर नहीं, अन्यत्र कहीं। साथी ने कहा, धन्यवाद! कल जो मैंने कहा, उसे तुमने मान लिया। आज छिलके सड़क पर नहीं फेंके। उसने कहा, सड़क पर तो नहीं फेंके, पर मेरे पास जो दूसरा यात्री बैठा था, उसकी जेब में चुपके से छिलके डाल दिए। सड़क पर उन्हें डालने की नौबत ही नहीं आई। हर आदमी से ही समस्या को दूसरों की जेब में डालता जाता है और यह मान लेता है कि समस्या का समाधान हो गया। समस्या सुलझती नहीं। एक समस्या सुलझती है, तो दूसरी उलझ जाती है। समस्या के समाधान का सही मार्ग है-भावनाओं पर ध्यान देना। जो भी काम किया जाता है, उसको करने से पूर्व यह सोचना होगा कि मैं यह काम शरीर की सुविधा के लिए कर रहा हूं, पर इससे कहीं मन की समस्या उलझ तो नहीं रही है? कहीं भावना की समस्या गहरी तो नहीं होती जा रही है? हम तीनों समस्याओं पर एक साथ ध्यान दें। जब तक शरीर की समस्या, मन की समस्या और भावना की समस्या पर समवेत रूप में ध्यान नहीं देंगे, तब तक समाधान नहीं मिलेगा।

ग्लोबल हेराल्ड में प्रकाशित होने वाले लेख लेखकों के निजी विचार है

व्यापार

सेंसेक्स की प्रमुख 10 में सात कंपनियों का बाजार पूंजीकरण दो लाख करोड़ घटा

नई दिल्ली ■

भारतीय शेयर बाजार के लिए पिछला सप्ताह निराशाजनक रहा, जहां प्रमुख सूचकांकों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। इस गिरावट की सबसे बड़ी मार देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से सात पर पड़ी, जिनका संयुक्त बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक कम हो गया। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और रिलायंस इंडस्ट्रीज को सर्वाधिक नुकसान उठाना पड़ा, जबकि कुछ चुनिंदा कंपनियों ने इस दौरान बेहतर प्रदर्शन किया। पिछले सप्ताह शेयर बाजार में आए तेज गिरावट के रुख के कारण निवेशकों को भारी नुकसान झेलना पड़ा। आंकड़ों के अनुसार बाजार पूंजीकरण में सर्वाधिक कमी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) में देखी गई, जिसका मूल्य 66,699.44 करोड़ रुपए घटकर 8,67,364.12 करोड़ रह गया। इसके बाद रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 50,670.34 करोड़ रुपए कम होकर 17,96,647.50 करोड़ पर आ गया। एचडीएफसी बैंक को 23,090.05 करोड़ और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को 19,670.75 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। बाजार के ???विशेषज्ञों ने इस गिरावट का कारण भू-राजनीतिक तनाव और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनियों के कमजोर तिमाही नतीजों को बताया। उन्होंने कहा कि लगातार दो सप्ताह की तेजी के बाद बाजार में सुधार की अपेक्षा थी, लेकिन इन कारकों ने निवेशकों की धारणा पर नकारात्मक प्रभाव डाला। हालांकि, इस नकारात्मक रुझान के बीच हिंदुस्तान यूनिलीवर और भारतीय स्टेट बैंक ने शानदार प्रदर्शन किया। एचयूएल का बाजार पूंजीकरण 20,652.91 करोड़ बढ़कर 5,47,219.80 करोड़ हो गया, जबकि एसबीआई का मूल्यांकन 19,522.76 करोड़ बढ़कर 10,16,752.53 करोड़ पर पहुंच गया। इस सप्ताह की गिरावट के बावजूद, रिलायंस इंडस्ट्रीज देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई है, जिसके बाद एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, टीसीएस, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, हिंदुस्तान यूनिलीवर और एलआईसी शीर्ष 10 में शामिल हैं।

सप्ताहभर में चांदी 10,000 और सोना 1,300 प्रति 10 ग्राम सस्ता

नई दिल्ली ■

बीते सप्ताह कीमती धातुओं, खासकर सोने और चांदी, की चमक कुछ फीकी पड़ गई। प्रॉफि ट बुकिंग और अमेरिका-ईरान के बीच संभावित बातचीत की उम्मीदों के चलते दोनों धातुओं की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई, हालांकि शुक्रवार को बाजार में कुछ सुधार देखा गया।

बाजार की गति अभी भी अनिश्चित बनी हुई है, क्योंकि भू-राजनीतिक तनाव और डॉलर की स्थिति में बदलाव का डर कायम है। इस सप्ताह कीमती धातुओं के बाजार में प्रॉफि ट बुकिंग का दबाव स्पष्ट रूप से देखा गया, जिसके कारण सोने की कीमतों में 0.34 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। चांदी ने भी बड़ी गिरावट दर्ज की, एक हफ्ते से भी कम समय में इसकी कीमतों में करीब 10,000 प्रति किलोग्राम की भारी कमी आई है। ताजा आंकड़ों के अनुसार, सोने की कीमत अब 1,52,700 प्रति 10 ग्राम पर आ गई है, जबकि चांदी की कीमत :2,44,321 प्रति किलोग्राम है। पांच दिन पहले, यानी 20 अप्रैल को एमसीएक्स पर सोना 1,54,000 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर को पार कर गया था, जबकि चांदी 2,54,000 रुपए प्रति किलोग्राम के पार निकल गई थी। इस प्रकार, सोने में प्रति 10 ग्राम पर लगभग 1,300 रुपए की और चांदी में लगभग 9,679 रुपए प्रति किलोग्राम की गिरावट देखी गई है।

एलपीजी सिलेंडर संकट गहराया: देशभर में डिलीवरी में भारी देरी

नई दिल्ली ■

देशभर में रसोई गैस सिलेंडर की किल्लत और डिलीवरी में देरी ने उपभोक्ताओं की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश और राजस्थान सहित कई राज्यों में लोग समय पर गैस न मिलने से परेशान हैं, जबकि बुकिंग नियमों की अस्पष्टता और शादी के सीजन की बढ़ती मांग ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है।

सरकार की कोशिशों के बावजूद सोशल मीडिया पर भी उपभोक्ताओं की नाराजगी साफ दिख रही है। सरकार ने शहरी क्षेत्रों में सिलेंडर बुकिंग के लिए 25 दिन और ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिन की समय-सीमा तय की है। हालांकि, गैस कंपनियां अगली बुकिंग की तारीख को सप्लाई की तारीख से जोड़ रही हैं, जिससे उपभोक्ताओं को 7-10 दिन का अतिरिक्त इंतजार करना पड़ रहा है। इस प्रक्रिया ने डिलीवरी को और धीमा कर दिया है। उत्तर प्रदेश के रायबरेली, बस्ती, कानपुर और प्रयागराज जैसे जिलों में सिलेंडर की भारी किल्लत और डिलीवरी में देरी की शिकायतें आम हैं। शादी के सीजन के कारण कॉमर्शियल सिलेंडरों की मांग तेजी से बढ़ी है, लेकिन आपूर्ति सीमित है। प्रयागराज में कॉमर्शियल सिलेंडर की कीमत सुरक्षा राशि सहित 4,600 रुपये से अधिक हो गई है। बिहार के पटना सहित कई इलाकों में बड़ी संख्या में बुकिंग लंबित हैं, जिसके मद्देनजर कुछ जगहों पर राशन दुकानों के माध्यम से कोयले की आपूर्ति शुरू की गई है। मध्य प्रदेश में भीषण गर्मी के बीच गैस की कमी ने हालात बदतर कर दिए हैं। भोपाल में लोग घंटों लाइनों में खड़े रहने को मजबूर हैं, जबकि मैहर में विरोध प्रदर्शनों के चलते सड़कों को जाम कर दिया गया। राजस्थान में शादियों के लिए सिलेंडर लेने हेतु आवेदन के साथ शादी का कार्ड जमा करने जैसी अतिरिक्त औपचारिकताएं लागू की गई हैं, साथ ही लकड़ी और कोयले के इस्तेमाल की सलाह भी दी जा रही है।

Alfa Valley
India

रिंकू सिंह का सुपर शो... लखनऊ के खिलाफ सुपर ओवर में रचा इतिहास

नई दिल्ली ■ एजेंसी

सुपर ओवर में भी रिंकू सिंह का ही जादू सिर चढ़कर बोला, जिन्होंने पहले फील्डिंग और फिर बल्लेबाजी से कोलकाता को एक अविश्वसनीय जीत दिला दी. जब लखनऊ की टीम पहले बल्लेबाजी करने उतरी, तो सुनील नरेन की फिरकी के सामने उनकी पारी ताश के पत्तों की तरह ढह गई. नरेन ने मात्र तीन गेंदों के भीतर दो विकेट चटकाकर लखनऊ को सिर्फ 1 रन पर समेट दिया, जिसमें रिंकू सिंह और रोवमैन पॉवेल की जुगलबंदी वाला वो शानदार कैच आकर्षण का केंद्र रहा. पॉवेल ने बाउंड्री पर गेंद को हवा में उछाला जिसे रिंकू ने लपककर एडन मार्करम को पवेलियन भेजा. इसके बाद जब केकेआर को जीत के लिए केवल 2 रनों की जरूरत थी, तो रिंकू ने प्रिंस यादव की पहली ही गेंद पर शानदार चौका जड़कर मैच खत्म कर दिया. इस धमाकेदार प्रदर्शन के साथ ही रिंकू ने साबित कर दिया कि दबाव के क्षणों में उनसे बड़ा खिलाड़ी फिलहाल कोई नहीं है. केकेआर की यह दूसरी जीत है.

आखिरी ओवर में 17 रनों की दरकार थी

मैच का रोमांच अपने चरम पर था जब लखनऊ सुपर जायंट्स को जीत के लिए आखिरी ओवर में 17 रनों की दरकार थी. कार्तिक त्यागी का यह ओवर किसी नाटकीय थ्रिलर से कम नहीं रहा. ओवर की शुरूआत में ही दो लगातार बीमर (नो-बॉल) और फ्री-हिट पर चौके ने कोलकाता की सांसें रोक दी थीं. हालांकि, त्यागी ने वापसी करते हुए हिम्मत सिंह को रिंकू सिंह के हाथों कैच आउट कराया और अगली गेंद डॉट निकालकर मैच पर पकड़ मजबूत कर ली. आखिरी गेंद पर लखनऊ को जीत के लिए 7 और सुपर ओवर के लिए 6 रनों की जरूरत थी. स्ट्राइक पर थे मोहम्मद शमी, जिन्होंने अपनी बल्लेबाजी से सबको हैरान करते हुए त्यागी की गेंद पर एक गगनचुंबी छक्का जड़ दिया.

शमी के इस ऐतिहासिक छक्के के साथ ही स्कोर बराबर हो गया

शमी के इस ऐतिहासिक छक्के के साथ ही स्कोर बराबर हो गया और प्रशंसकों को आईपीएल 2026 का पहला सुपर ओवर देखने का मौका मिला. गेंद बाउंड्री के पार जाते ही ड्वेन ब्रावो और वॉटसन के चेहरे पर हैरानी साफ दिख रही थी, वहीं डगआउट में आवेश खान खुशी से झूम उठे. केकेआर के खेमे में मायूसी और लखनऊ के लिए एक नई उम्मीद की किरण साफ नजर आ रही थी. 155 रनों के स्कोर पर दोनों टीमों के रुकने के बाद अब मैदान पर घमासान एक नए स्तर पर पहुंच चुका था, जहां एक-एक रन और हर एक गेंद पूरे टूर्नामेंट की दिशा तय करने वाली थी.

मोहसिन खान ने करियर में पहली बार पांच विकेट हासिल किए

मोहसिन ने अगली गेंद पर अनुकूल रॉय (00) को भी आयुष बडोनी के हाथों कैच कराके करियर में पहली बार पांच विकेट हासिल किए और सुपर जाइंट्स का छह विकेट पर 73 रन किया. रिंकू सिंह ने 14वें ओवर में राठी पर लगातार दो चौकों के साथ बाउंड्री के सूखे को खत्म किया. नाइट राइडर्स के रनों का शतक 16वें ओवर में पूरा हुआ. रिंकू ने शमी पर छक्के और दो चौकों के साथ 42 गेंद में अर्धशतक पूरा किया. उन्होंने पारी के अंतिम ओवर में राठी पर लगातार चार छक्कों के साथ टीम का स्कोर 150 रन के पार पहुंचाया.

मनोरंजन

एक्ट्रेस ऋचा चड्ढा ने जताई इंडिपेंडेंट सिनेमा के भविष्य पर चिंता

अक्सर विभिन्न सामाजिक और फिल्मी मुद्दों पर एक्ट्रेस और प्रोड्यूसर ऋचा चड्ढा खुलकर अपनी राय रखती नजर आती हैं। हाल ही में अभिनेत्री ने इंडिपेंडेंट सिनेमा के भविष्य पर गहरी चिंता व्यक्त की है, आखिर इंडिपेंडेंट फिल्ममेकर्स लगातार कमर्शियल एक्टर्स को क्यों कास्ट करते हैं? अभिनेत्री का मानना है कि ऐसे कलाकार उन कहानियों के लिए न तो बॉक्स-ऑफिस पर दर्शकों को आकर्षित कर पाते हैं और न ही किसी इंडिपेंडेंट फिल्म को प्रतिष्ठित फिल्म फेस्टिवल्स में कोई विशेष साख दिला पाते हैं। उन्होंने एक बयान में कहा, अगर कोई एक्टर शुक्रवार को आपकी फिल्म को थिएटर में ओपनिंग नहीं दिला पाता और न ही फेस्टिवल्स में कोई खास वजन जोड़ पाता है, तो फिर एक इंडिपेंडेंट फिल्म में उसे कास्ट करने का आखिर फायदा क्या है? यह सवाल सीधे तौर पर इंडिपेंडेंट फिल्ममेकिंग की कास्टिंग रणनीतियों की प्रभावशीलता पर प्रश्नचिन्ह लगाता है। ऋचा चड्ढा ने स्पष्ट किया कि वह किसी पर कोई आरोप नहीं लगा रही हैं, लेकिन उन्होंने ट्रेड या प्रशिक्षित एक्टर्स के महत्व पर जोर दिया, जो कमर्शियल सितारों की तुलना में इंडिपेंडेंट फिल्मों के लिए कहीं अधिक उपयुक्त होते हैं। उनके अनुसार, प्रशिक्षित कलाकारों के साथ कम से कम यह भरोसा रहता है कि उनकी परफॉर्मेंस की क्वालिटी बनी रहेगी, जो फिल्म की कलात्मक अखंडता के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। ऋचा ने कहा कि इंडी फिल्मों के पीछे भी अक्सर कमर्शियल सोच होती है, लेकिन कुछ कहानियों को भीड़ खींचने के लिए हमेशा इतने बड़े चेहरों की जरूरत नहीं होती।

मां के कारण ममता ने लिया था हिंदी सिनेमा से दूरी बनाने का फैसला

किसी को यह अनुमान नहीं था कि तिरंगा, आशिक आवारा, करन-अर्जुन और क्रांतिवीर जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में देने वाली अभिनेत्री ममता कुलकर्णी एक झटके में बॉलीवुड को अलविदा कह देंगी और अचानक अध्यात्म की राह पर चल पड़ेंगी। हालांकि, ममता ने खुद बताया कि उनकी मां की वजह से उन्होंने हिंदी सिनेमा से दूरी बनाने का फैसला किया था। 20 अप्रैल को एक मराठी परिवार में जन्मी ममता कुलकर्णी को शुरुआत में हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं का अच्छा ज्ञान नहीं था, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने 90 के दशक की कई सुपरहिट फिल्मों में अपनी अभिनय प्रतिभा का लोहा मनवाया। हिंदी सिनेमा में कदम रखने से पहले, अभिनेत्री ने तमिल सिनेमा में अपने करियर को चमकाने की कोशिश की और उन्हें पहली फिल्म 1991 में ननबरगल मिली। इसके बाद साल 1992 में उन्होंने तेलुगु रोमांस ड्रामा प्रेमा शिखराम में काम किया। उसी साल ममता की किस्मत चमकी और उन्होंने पहली हिंदी फिल्म तिरंगा से बॉलीवुड में शानदार एंट्री की। मल्टीस्टारर फिल्म होने के बावजूद, ममता के खूबसूरत चेहरे और कर्ली बालों ने दर्शकों का दिल जीत लिया और उन्हें खूब पसंद किया गया। ममता ने खुद कई बार इस बात का जिक्र किया कि सिनेमा में उन्हें काम के लिए किसी तरह की परेशानी या संघर्ष नहीं करना पड़ा, बल्कि उन्हें जो फिल्में ऑफर होती थीं, वे कोशिश करती थीं कि किसी को मना न करें और हर अच्छे मौके को भुनाएं।

शाहिद और कृति के साथ इटली में जमकर डांस किया रश्मिका ने

अपनी आगामी फिल्म कॉकटेल-2 को लेकर अभिनेत्री रश्मिका मंदाना इन दिनों सुर्खियां बटोर रही हैं। फिल्म में रश्मिका दीया नाम की एक उत्साही लड़की का किरदार निभा रही हैं। एक्ट्रेस के किरदार की झलक हाल ही में रिलीज़ हुए फिल्म के नए गाने जब तलक में देखने को मिली। यह गाना एक मस्ती भरा बीट वाला नंबर है, जिसमें रश्मिका अपने सह-कलाकारों शाहिद कपूर और कृति सेनन के साथ समुद्र किनारे झूमते हुए नजर आ रही हैं। हाल ही में, रश्मिका ने अपने इंस्टाग्राम पर इसी गाने के बिहाइंड द सीन (बीटीएस) वीडियो को पोस्ट किया, जिसमें वह शाहिद और कृति के साथ बेहद मस्ती भरे पल साझा करती दिख रही हैं। इस वीडियो में रश्मिका ने बताया कि गाने की शूटिंग इटली के खूबसूरत सिसिली शहर में हुई थी, जहां सेट पर हर पल हंसी-मजाक और ऊर्जा से भरपूर था। शूटिंग के शॉट्स के बीच में तीनों कलाकार अक्सर अचानक डांस करने लगते थे और छोटी-छोटी बातों पर खुलकर हंसते थे, जिससे सेट का माहौल बेहद खुशनुमा बना रहता था। रश्मिका ने इस अनुभव को अपने लिए बहुत यादगार बताया और अपनी पोस्ट में लिखा, दीया की डायरी का एक पन्ना! हमने जब तलक गाने की शूटिंग इटली के सिसिली में की, और वहां सब कुछ मजेदार था। शॉट्स के बीच में यूं ही डांस करना, हर वक्त मस्ती, छोटी-छोटी बातों पर हंसना और फिर भी पूरे स्टाइल के साथ शूट पूरा कर लेना। अभिनेत्री ने अपने किरदार दीया के बारे में बताते हुए लिखा कि फिल्म में दीया अपनी जिंदगी के सबसे बेहतरीन पल जी रही थी, और जब दर्शक फिल्म देखेंगे, तो उन्हें समझ आएगा कि वहां इतनी मस्ती और उससे भी ज्यादा डांस क्यों था।

रुतुराज की मेहनत पर गेंदबाजों ने फेरा पानी एकतरफा मुकाबला में गुजरात ने मारी बाजी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

आईपीएल 2026 में 37वां मुकाबला एकतरफा रहा, जिसमें गुजरात टाइटंस ने चेन्नई सुपर किंग्स को उसी के घर में 8 विकेट से रौंद दिया. अपने होम ग्राउंड पर खेलते हुए चेन्नई की टीम रुतुराज गायकवाड़ की बल्लेबाजी से 158/7 रन के लड़ने लायक स्कोर तक पहुंची थी. 159 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजरात ने साई सुदर्शन की अर्धशतकीय पारी से 16.4 ओवर में 262 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया.

गुजरात को दो हार के बाद यह जीत मिली है. शुभमन गिल की टीम अब 8 मैचों चार जीत के साथ 5वें पायदान पर पहुंच गई है. दूसरी ओर, मुंबई इंडियंस पर 100 से ज्यादा रनों की बड़ी जीत के बाद चेन्नई ने खराब खेल दिखाया और खामियाजा उठाना पड़ा. चेन्नई की 8 मैचों में यह 5वीं हार है. सीएसके छठे स्थान पर है. गुजरात टाइटंस को लक्ष्य का पीछा करते हुए ज्यादा दिक्कत नहीं हुई. गुजरात के ओपनर और पिछले मैच के शतकवीर साई सुदर्शन ने 87 रन की मैच विनिंग पारी खेली. उन्होंने 46 गेंदों का सामना किया और पारी में 4 चौके और 7 छक्के लगाए. कप्तान शुभमन गिल के साथ सुदर्शन ने पहले विकेट के लिए 58 रन जोड़े. गिल 23 गेंदों में 33 रन बनाकर आउट हो गए, जिसके बाद सुदर्शन ने जोस बटलर के साथ 97 रन की साझेदारी करके टीम की नैया पार लगा दी. बटलर ने 17वें ओवर की चौथी गेंद पर सामने की ओर एक बड़ा छक्का लगाकर जीत सुनिश्चित कर दी. बटलर 30 गेंदों में 39 रन बनाकर नाबाद रहे. सुंदर एक गेंद में एक रन पर नॉटआउट रहे.

सीएसके के खिलाफ रन बनाना सुदर्शन को पसंद

सुदर्शन का चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ रिकॉर्ड शानदार रहा है. इस पारी के अलावा वह चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ एक शतक भी जड़ चुके हैं. उन्होंने 51 गेंदों में 103 रन बनाए थे. उनके चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ स्कोर कुछ इस प्रकार हैं ङ्क 22, 96, 37, 103, 41, 87.

मेहनत गई बेकार

कगिसो रबाडा की कहर बरपाती गेंदों ने चेन्नई सुपर किंग्स के टॉप ऑर्डर को तहस-नहस करने का काम किया, जिसके बाद रुतुराज ने एक छोर पर खड़े रहकर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया. संजू सैमसन ने कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ के साथ संभली हुई शुरूआत जरूर की, लेकिन सैमसन 11 रन बनाकर आउट हो गए. दोनों खिलाड़ियों ने 3.3 ओवरों में 21 रन की साझेदारी की. इसके बाद टीम बिखरती नजर आई. इसी ओवर की अंतिम गेंद पर उर्विल पटेल का विकेट भी गंवा दिया. उर्विल ने 4 रन बनाए.

रुतुराज ने बनाए 74 रन.

चेन्नई सुपर किंग्स ने 4.4 ओवर में सरफराज खान के रूप में अपना तीसरा विकेट गंवाया, जो अपनी पहली ही गेंद पर मोहम्मद सिराज का शिकार बने. 9वें ओवर की दूसरी गेंद पर डेवाल्ड ब्रेविस (2) भी चलते बने. चेन्नई सुपर किंग्स ने 37 के स्कोर तक अपने 4 विकेट खो दिए थे. यहां से शिवम दुबे ने रुतुराज गायकवाड़ के साथ पांचवें विकेट के लिए 43 गेंदों में 59 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभाला.

उबेर कप में भारत ने यूक्रेन को 4-1 से हराया, सिंधु-तनीषा की जोड़ी ने जीता डबल्स मुकाबला

नई दिल्ली ■ एजेंसी

डेनमार्क के होर्सेंस में खेले जा रहे उबेर कप 2026 में भारतीय महिला टीम ने अपनी क्वार्टर फाइनल की उम्मीदों को जिंदा रखा है। ग्रुप-ए के अपने दूसरे मुकाबले में भारत ने यूक्रेन को 4-1 से करारी शिकस्त दी। पहले मैच में मेजबान डेनमार्क से 2-3 से हारने के बाद भारतीय खिलाड़ियों ने जबरदस्त वापसी की। इस जीत के साथ ही भारत अब सोमवार को डिफेंडिंग चैंपियन चीन से भिड़ेगा, जो क्वार्टर फाइनल की राह तय करने के लिए बेहद अहम होगा।

भारत की ओर से पहले सिंगल्स मैच में उन्नति हुड्डा ने शानदार शुरुआत की। उन्होंने यूक्रेन की पोलिना बुहरोवा को सीधे सेटों में 21-19, 22-20 से हराकर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके बाद जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप की सिल्वर मेडलिस्ट तन्वी शर्मा ने अपनी लय बरकरार रखी। तन्वी ने येवहेनिया कांटेमिर को तीन सेटों तक चले कड़े मुकाबले में 21-12, 17-21, 21-10 से हराकर स्कोर 2-0 कर दिया। इस मुकाबले में टीम मैनेजमेंट ने पूर्व वर्ल्ड चैंपियन पीवी सिंधु को सिंगल्स मैच में आराम दिया था। उनकी जगह थाइलैंड मास्टर्स चैंपियन देविका सिहाग को तीसरा सिंगल्स खेलने का मौका मिला। देविका ने इस भरोसे को सही साबित किया और मारिया स्टोलियारेन्को को 23-21, 21-13 से हराकर भारत की जीत पक्की कर दी। उनके जीतते ही भारत ने मुकाबले में 3-0 की अजेय बढ़त बना ली थी।

दीप्ति शर्मा के ऑलराउंड प्रदर्शन से भारत ने दक्षिण अफ्रीका को चौथे मैच में हराया

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने शनिवार को दक्षिण अफ्रीका महिला टीम को 14 रन से हराकर दक्षिण अफ्रीका-पश्चिम बनाम भारत-पश्चिम टी20 2026 सीरीज में अपनी पहली जीत दर्ज की। यह मुकाबला जोहांसबर्ग के वांडरर्स स्टेडियम में खेला गया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 20 ओवर में 185/5 का मजबूत स्कोर खड़ा किया। जेमिमा रोड्रिग्स ने 29 गेंदों में 43 रन, दीप्ति शर्मा ने 26 गेंदों में नाबाद 36 रन और ऋचा घोष ने 18 गेंदों में नाबाद 34 रन की तेज पारियां खेलीं। दक्षिण अफ्रीका की ओर से एलिज़-मारी मार्क्स (2/28) और कायला रेनेके (2/10) सबसे सफल गेंदबाज रहीं।

अब आप भी बन सकते हैं
ग्लोबल रिपोर्टर
अपने आस-पास होने वाली महत्वपूर्ण गतिविधियां, घटना-दुर्घटना की खबर, फोटो या वीडियो हमें वाट्सएप करें
7999509078
ना केबल कनेक्शन की झंझट, ना ही सेट-टॉप बॉक्स का खर्चा
ग्लोबल हेराल्ड न्यूज़ अब IPTV पर भी
बस एक बार गूगल करें और देखें हमेशा ताज़ातरीन खबरें
www.globalheraldtv.com
ग्लोबल हेराल्ड NATIONAL HERALD
न्यूज़ पेपर न्यूज़ चेनल वेब टीवी
globalheraldeditor@gmail.com

LITTAL
www.pramodmarutiparts.com

ALFA VALLEY
coming soon...
ALFA VALLEY
"Heal the world, make it a better place,
for you and for me and the entire human race."
Glad to share that we are working on Alfa Valley,
our 220 acre land near Kolar Dam, Bhopal.
The project entails a huge plantation comprising
100000 trees,
water conservation, organic farming and
a wellness center.
Spread across 220 acres of green land in Saras.
Situated near Kolar Dam, Bhopal.
Ample open space around the property.
Fabulous Views over the countryside.
Surrounded by Dam, Trees, Terrains, Grassland, Vegetables, Fruits.
MOB.+91 9977200123 Email-alfavalley@rediffmail.com

प्रकाशक एवं मुद्रक **विष्णु गोयल** द्वारा स्वामी शिवा पब्लिकेशन के लिए 1-ए, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स एबी रोड, इंदौर, मध्यप्रदेश से प्रकाशित एवं पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विस प्रा.लि. रिलायंस पेट्रोल पम्प के पीछे, सेंटर पाइंट, मांगलिया बायपास, इंदौर, मध्यप्रदेश से मुद्रित। Epaper_www.globalherald.news
प्रधान संपादक -**विष्णु गोयल,** सलाहकार संपादक- **डॉ.शिशिर उपाध्याय**, प्रदेश संपादक- **दिलीप शर्मा**, स्थानीय संपादक **सत्येन्द्र जैन***(*समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार)। मोबाइल नं.:-7999509078, आर.एन.आई. नं. MPHIN/2012/41876, email- editor@nationalherald.org/globalheraldeditor@gmail.com